राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 14 सितंबर 2022 वर्ष-5,अंक-228 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत जोड़ो यात्रा का एक सप्ताह, अब तक कांग्रेस पर उठे 6 सवाल; अभी 143 दिन बाकी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में पार्टी की %भारत जोड़ो% यात्रा जारी है। करीब 150 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा का मंगलवार को सातवां दिन है। अगर एक सप्ताह के ही इस सफर को देखें, पार्टी महज अब तक करीब 7 बार विवादों में आ चुकी है। पार्टी पर भारतीय जनता पार्टी के हमले जारी हैं। इधर, कांग्रेस भी लगातार पलटवार कर रही है।

कंटेनर पर हो गया विवाद

यात्रा के दौरान राहुल गांधी कंटेनर में रहेंगे। ट्रकों पर सजे इन 60 कंटेनर में यात्रा के स्थायी यात्री यानी कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक का सफर तय करने वाले नेता रहेंगे। खबरें थी कि इनमें से एक कंटेनर में राहुल रहेंगे। जबकि, बचे हुए कंटेनर अन्य नेता शेयर करेंगे। आरोप लगाए गए थे कि कांग्रेस ने इन कंटेनर में नई सुविधाएं शामिल की हैं। हालांकि, कांग्रेस इनमें बुनियादी सुविधाएं होने के बात कह रही है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दो बिस्तरों वाले कंटेनर में रहेंगे। जबकि, अन्य कार्यकर्ताओं को 6 या 12 बिस्तरों वाले कंटेनर में रहना होगा। इन सभी में टॉयलेट शामिल है, लेकिन कुछ में ही एसी लगा हुआ है।

महंगी टी-शर्ट!

यात्रा शुरू होने के तीसरे ही दिन भाजपा और कांग्रेस में राहुल गांधी की टीशर्ट को लेकर बहस शुरू हो गई थी। भाजपा ने दावा किया था कि महंगाई का मुद्दा उठा रहे वायनाड सांसद शुक्रवार को 41 हजार 257 रुपये की टी-शर्ट पहने हुए हैं। भाजपा ने ट्विटर पर इससे जुड़े फोटो भी शेयर किए थे। कांग्रेस का कहना था कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल भारत जोड़ो यात्रा को मिल रहे समर्थन से डरा हुआ है।

पादरी से मुलाकात

भारत जोड़ो यात्रा के शुरुआती पड़ाव यानी तमिलनाडु में राहुल ने पादरी जॉर्ज पोन्नया से मुलाकात की थी। खास बात है कि पोन्नया विवादित बयानों के लिए जाने जाते हैं। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का कहा, %उन्हें पहले भी कट्टर टिप्पणी के लिए गिरफ्तार किया जा चुका है। जब उन्होंने कहा था मैं जूते इसलिए पहनता हूं, ताकि भारत माता की अशुद्धियां हमें दूषित न कर दें। पादरी को जुलाई कल्लीकुड़ी में गिरफ्तार किया गया था।

जलती निक्कर

कांग्रेस ने ट्वीट के जरिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर निशाना साधा था। पार्टी ने एक फोटो पोस्ट की थी, जिसमें संघ की यूनिफॉर्म का हिस्सा रहे निक्कर को जलता हुआ दिखाया गया था। इसपर भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने सवाल उठा दिए थे। उन्होंने कहा था, उनकी पहले जलाई हुई आग ने अधिकांश भारत को जला दिया था। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बचे हुए सदस्य भी जल्दी जलकर खाक हो जाएंगे।

क्रांतिकारियों से जुड़े समारोह से गायब

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, केरल के दो क्रांतिकारियों गांधीवादी केई मेमन और पद्मश्री पी गोपीनाथन नायर के स्मारक का अनावरण होना था। यह कार्यक्रम तिरुवनंतपुरम स्थित हृद्धरूस अस्पताल में किया जाना था। खबर है कि परिवार की तरफ से केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख सुधाकरण की मौजूदगी में राहुल को निमंत्रण भी दिया गया था। इस कार्यक्रम से राहुल गायब रहे। रिएक्शन यह हुआ कि सुधाकरण को क्रांतिकारियों के परिजनों से माफी मांगनी पड़ी।

रूट पर सवाल

कांग्रेस की यात्रा का मौजूदा चरण केरल है। खबर है कि यहां पार्टी करीब 19 दिनों तक पदयात्रा करेगी और 450 किमी की सफर तय करेगी। अब कांग्रेस की इस यात्रा पर केरल में सत्तारूढ़ सीपीएम के नेता सवाल उठा रहे हैं। वाम दल का कहना है कि कांग्रेस को भाजपा शासित राज्यों में ज्यादा ध्यान देना चाहिए। सीपीआई (एम) ने ट्वीट किया कि केरल में 19 और उत्तर प्रदेश में 2, यह भाजपा और आरएसएस से लड़ने का अजीब तरीका है।

मुंबई में राजमार्ग पर कार में लगी आग, मदद के लिए रुके महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई। मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस राजमार्ग पर मंगलवार को तड़के एक महंगी कार में आग लग गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का काफिला उस वक्त घटनास्थल से ही गुजर रहा था और शिंदे कार सवार की मदद करने के लिए वहां रुके। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि विले पार्ले इलाके में राजमार्ग पर हुई इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। यह राजमार्ग मुंबई में एक प्रमुख सड़क मार्ग है। दमकल विभाग को दोपहर करीब 12 बजकर 25 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया। मुख्यमंत्री शिंदे का काफिला उस वक्त विपरीत सड़क से गुजर रहा था। वह घटना को देखकर कार यात्री की मदद के लिए रुके। सोशल मीडिया मंच पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें मुख्यमंत्री शिंदे कार चालक से बात करते नजर आ रहे हैं। बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने ड्राइवर का नाम पूछा, जिसने अपना नाम विक्रांत शिंदे बताया। मुख्यमंत्री ने व्यक्ति को कहा कि जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने उसे जल रही कार के पास नहीं जाने के लिए कहा तथा वहां से जाने से पहले व्यक्ति को मदद का आश्वासन भी दिया।

जम्मू कश्मीर में सब-इंस्पेक्टर भर्ती घोटाला

अनियमितताओं को लेकर सीबीआई ने मारे 33 स्थानों पर छापे

नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर में उप-निरीक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर मंगलवार को जेकेएसएसबी के पूर्व अध्यक्ष खालिद जहांगीर के ठिकानों समेत 33 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) के परीक्षा नियंत्रक अशोक कुमार के ठिकानों पर भी छापे मारे जा रहे हैं।

छापेमारी जम्मू, श्रीनगर; हरियाणा के करनाल, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी; गुजरात के गांधीनगर; दिल्ली; उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और कर्नाटक के बेंगलुरु में की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, उप-निरीक्षक भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में सीबीआई द्वारा दूसरे दौर की छापेमारी की जा रही है।

सीबीआई ने पांच अगस्त को प्राथमिकी दर्ज करने के बाद कहा था, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर पुलिस में उप-निरीक्षकों के पदों के लिए 27.03.2022 को हुई लिखित परीक्षा में अनियमितता के आरोपों पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन के अनुरोध पर 33 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।÷ इस साल चार जून को परीक्षा परिणाम घोषित किए गए थे, जिसके बाद परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप सामने आए थे। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने आरोपों की जांच के लिए एक समिति का गठन किया था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युवाओं से नशे की लत के खिलाफ लड़ने की अपील की

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोगों, खासकर युवाओं से एकजुट होने और नशे की लत के खिलाफ लड़ने की अपील की। उन्होंने इसे देश की प्रगति की राह में एक बड़ी बाधा करार दिया।

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोगों, खासकर युवाओं से एकजुट होने और नशे की लत के खिलाफ लड़ने की अपील की। उन्होंने इसे देश की प्रगति की राह में एक बड़ी बाधा करार दिया। सिंह यहां सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित 'एनसीसी कैडेट के साथ संवाद और मादक पदार्थों की लत के खिलाफ शपथ' समारोह में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट और युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''भारत विश्व की एक महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। लेकिन, कुछ बाधाएं हैं, जो हमें अपनी वास्तविक क्षमता को प्राप्त करने से रोक रही हैं। मादक पदार्थों की लत एक ऐसी ही बाधा है। तमाम खूबियों के बावजूद हमारा देश अभी तक विकसित देशों की कतार में खड़ा नहीं हो पाया है, क्योंकि यहां बहुत से लोग हैं, खासकर युवा, जो नशे की चपेट में हैं।'' उन्होंने कहा कि नशे की लत न केवल समाज में कानून-व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी गतिविधियों को भी बढ़ावा देती है।

तेलंगाना के सिकंदराबाद में होटल में आग लगने से आठ की मौत, 13 घायल

हैदराबाद। तेलंगाना के सिकंदराबाद में रूबी रतन होटल में कल देररात आग लगने से आठ लोगों के मौत हो गई और अन्य 13 घायल हो गए। मृतकों की संख्या बढ़ने की पुलिस ने आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि अग्निकांड की जांच की जा रही है। पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने अनुमान जताया है कि आग होटल के बेसमेंट में रूबी इलेक्ट्रिक व्हीकल के शोरूम में एक बाइक की बैटरी के फटने से लगी। इसके बाद आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। पुलिस के अनुसार जब आ लगी तब वहां करीब 25 पर्यटक थे। आग की लपटों में घिरने और धुआं के कारण आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला भी है। करीब 13 लोग घायल हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कुछ लोगों ने होटल की खिड़की से नीचे कूदकर जान बचाने की कोशिश में घायल हो गए। आसपास के लोगों ने सबसे पहले मौके पर पहुंचकर कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस होटल में 25 कमरे हैं। 12 से अधिक

कमरों में पर्यटक ठहरे थे। दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग बुझाते हुए करीब 15 लोगों को बचाया। तीन मृतकों की पहचान हो गई है। उनमें चेन्नई के सीतारमण, बिहार के वीरेंद्र कुमार और विजयवाड़ा के हरीश कुमार हैं। घायलों को हैदराबाद के सरकारी गांधी अस्पताल, यशोदा अस्पताल और अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

हिजाब विवाद में अब एससी से बोला मुस्लिम पक्ष- कुरान के आधार पर नहीं, महिलाओं के अधिकार पर हो फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में हिजाब पर प्रतिबंध मामले में सुनवाई जारी है। अब मुस्लिम पक्ष ने अपने सुर बदले हैं और कहा है कि हिजाब की जरूरत को कुरान के बजाए महिला के अधिकार के रूप में देखा जाना चाहिए। इसपर शीर्ष न्यायालय ने भी एड्वोकेट से बदलते तर्कों पर जवाब मांगा है। इससे पहले मुस्लिम पक्ष ने हिजाब को इस्लाम में जरूरी बताया था।

कुरान की व्याख्या में सक्षम नहीं है कोर्ट- मुस्लिम पक्ष

मुस्लिम पक्ष के वरिष्ठ वकीलों यूसुफ एच मुछाला और सलमान खुर्शीद ने कहा कि कोर्ट अरबी भाषा में कुशल नहीं है, जिसके चलते वह कुरान की व्याख्या नहीं कर सकता। उन्होंने तर्क दिया कि अदालत की तरफ से हिजाब को महिला के निजता, सम्मान और पहचान सुरक्षित रखने के

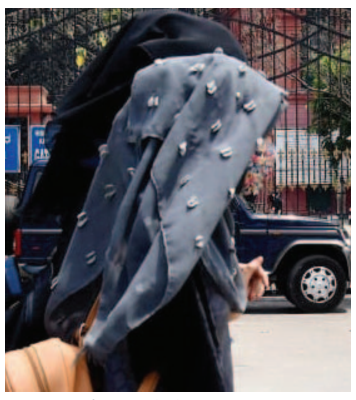

अधिकार के रूप में देखा जाना चाहिए।

जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने मामले की सुनवाई की थी। हिजाब मामले पर बुधवार को भी सुनवाई जारी रहेगी।

इससे पहले पक्ष ने कहा था कि हिजाब इस्लाम में जरूरी है। अब इस्लाम में हिजाब की जरूरत की जांच नहीं चाह रहे वकील मुछाला ने कहा, %निजता मतबल शरीर और दिमाग पर खुद का अधिकार है। अंतरात्मा का अधिकार और धर्म का अधिकार कॉम्प्लिमेंट्री हैं। ऐसे में जब मुस्लिम महिला अगर हिजाब पहनना चाहती है, तो यह उसके सम्मान और निजता को सुरक्षित करने के साथ-साथ सशक्त महसूस कराने वाला पसंद का कपड़ा है

खुर्शीद का भी कहना है कि मुस्लिम महिला का हिजाब पहनना उसके धार्मिक विश्वास, अंतरात्मा की आवाज, संस्कृति के तौर पर जरूरी या पहचान, सम्मान और निजता बचाने रखने की निजी सोच हो सकती है। उन्होंने कहा, भारत जैसे सांस्कृतिक विविधता वाले देश में सांस्कृतिक प्रथाओं का सम्मान करने की जरूरत है। मुस्लिम महिलाएं यूनिफॉर्म पहनने के नियम से इनकार नहीं करना चाहती। वे अपनी सांस्कृतिक जरूरत और निजी पसंद के सम्मान में स्कार्फ के तौर पर एक अतिरिक्त कपड़ा पहनना चाहती हैं।%

कोर्ट ने मांगी सफाई

शीर्ष न्यायालय ने मुछाला से उनकी अलग-अलग बातों को लेकर सफाई की मांग की है। कोर्ट के अनुसार, पहले आपने इस बात पर जोर दिया कि हिजाब धार्मिक अधिकार है। अब आप तर्क दे रहे हैं कि हिजाब धर्म के लिए जरूरी है या नहीं, इस बात का फैसला करने के लिए कोर्ट को कुरान की व्याख्या नहीं करनी चाहिए। आप तर्क दे रहे हैं कि मामले को 9 जजों की बेंच को यह पता करने के लिए भेजा जाना चाहिए कि यह काम जरूरी है या नहीं।

गहलोत के मंत्री के सामने उछाला गया जूता, ट्विटर यूजर्स के निशाने पर क्यों पायलट आए

जयपुर। राजस्थान में खेलमंत्री अशोक चांदना पर जूता फेंकने के मामले में प्रदेश की सियासत में उबाल आ गया है। सचिन पायलट को खुल चैलेंज देने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स की मिली जुली प्रतिक्रिया रही है। नरेश चौधरी नाम के यूजर्स ने लिखा- ऐसी राजनीति नहीं देखी कही। सब को पता है। किसके इशारे पर किसके समर्थकों ने किया है। पायलट साहब ये उम्मीद नहीं थी आपसे। अजीत शरण ने लिखा- सचिन पायलट ने कौनसा संघर्ष किया है। सब कुछ विरासत में मिला है। चांदना जी धरातल से यहां तक पहुंचे हैं। ये संघर्ष ही इनकी पहचान है ना कि एक जाति से इनकी पहचान। विजय मीना नाम के यूजर्ष ने लिखा- तुम जलन बरकरार रखो। हम जलवा। एक यूजर्स ने लिखा- बिना किसी आधार पर सचिन पायलट पर ऐसे आरोप लगाना गलत है। आपको क्या लगता है कि सचिन पायलट जैसे शख्सियत ऐसा कर सकती है। अब आप ऐसी राजनीति पर उतर आए कि अपनी ही पार्टी के नेता पर आरोप लगा रहे हैं। हालांकि, सचिन पायलट नारेबाजी का विरोध करत रहे हैं। हाल ही में दौसा जिले के सिकराय में आयोजित कार्यक्रम में सचिन पायलट ने युवाओं से कहा-किसी का सम्मान नहीं कर सकते तो किसी का विरोध करने का अधिकार भी नहीं है।

खेलमंत्री अशोक चांदना ने दिया चैलेंज-खेलमंत्री अशोक चांदना ने देर रात ट्वीट कर लिखा- मुझ पर जूता फिकवाकर सचिन पायलट यदि मुख्यमंत्री बने तो जल्दी से बन जाए। क्योंकि आज मेरा लड़ने का मन नहीं है। जिस दिन मैं लड़ने पर आ गया तो फिर एक ही बचेगा और यह मैं चाहता हूं नहीं।

चांदना ने ट्वीट कर लिखा- अद्भुत नजारा देखने को मिला। 72 शहीदों को मारने का आदेश देने वाले राजेंद्र राठौड़ के मंच पर आने पर तालिया बजी और जिनके परिवार के लोग आंदोलन में जेल गए उन पर जूते फेंके गए। सोमवार को अजमेर के पुष्कर मेला ग्राउंड में एमबीसी समाज के कार्यक्रम में खेलमंत्री अशोक चांदना को सचिन पायलट समर्थकों के विरोध का सामना करन पड़ा। जिसके चलते चांदना को अपना भाषण बीच में ही रोकना पड़ा। इससे नाराज खेलमंत्री अशोक चांदना ने देर रात ट्वीट कर सचिन पायलट को खुला चैलेंज देकर अपनी नाराजगी प्रकट कर दी। खेलमंत्री अशोक चांदना की ओर जूता और अन्य सामाना उछाला गए। कार्यक्रम में समर्थक पायलट जिंदाबाद के नारे लगाए। गुर्जर आरक्षण आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की अस्थियों का विसर्जन पुष्कर के 52 घाटों पर सोमवार शाम करीब चार बजे शुरू हुआ था। पुष्कर के मेला ग्राउंड में एमबीसी समाज की सभा में जैसे ही मंत्री अशोक चांदना भाषण देने के लिए आए लोगों ने जूते और अन्य सामान फेंकना शुरू कर दिया। सचिन पायलट जिंदाबाद के नारे लगाए।

पायलट समर्थकों की नाराजगी की वजह

पायलट समर्थकों के निशाने पर गुर्जर समाज के दो विधायक लगातार निशाने पर है। खेलमंत्री अशोक चांदना और पूर्व मंत्री जितेंद्र। दोनों ही कांग्रेस से विधायक है। पायलट समर्थक इस बात से नाराज है बगावत के समय खेलमंत्री अशोक चांदना ने सचिन पायलट का साथ नहीं दिया। वरना आज सचिन पायलट राजस्थान के मुख्यमंत्री होते। वर्ष 2020 में पायलट की बगावत के समय अशोक चांदना ने गहलोत कैंप का साथ दिया था। बस नाराजगी की यही वजह है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अब तो आजादी के 75 साल में अंग्रेजी की गुलामी हमारे घर-द्वार बाजार में भी छाती चली जा रही है। हम लोग इस गुलामी के लिए सरकारों को दोषी ठहराकर संतुष्ट हो जाते हैं लेकिन क्या हमने कभी सोचा है कि इस मामले में हमारी भूमिका क्या रही है? जनता की भूमिका क्या रही है?

हिंदी-दिवस जनता कैसे मनाए?

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

हर 14 सितंबर को भारत सरकार हिंदी दिवस मनाती है। नेता लोग हिंदी को लेकर अच्छे-खासे भाषण भी झाड़ देते हैं। लेकिन हिंदी का ढर्रा जहाँ था, वहीं आकर टिक जाता है। भारत की अदालतों, संसद और विधानसभाओं, सरकारी काम-काज में, पाठशालाओं और विश्वविद्यालयों में सर्वत्र अंग्रेजी का बोलबाला बढ़ता चला जा रहा है। अब तो आजादी के 75 साल में अंग्रेजी की गुलामी हमारे घर-द्वार बाजार में भी छाती चली जा रही है। हम लोग इस गुलामी के लिए सरकारों को दोषी ठहराकर संतुष्ट हो जाते हैं लेकिन क्या हमने कभी सोचा है कि इस मामले में हमारी भूमिका क्या रही है? जनता की भूमिका क्या रही है? यदि भारत की जनता जागृत रही होती तो यह भाषाई गुलामी कभी की दूर हो जाती। फिलहाल हम सरकार को छोड़ें और यह सोचें कि हिंदी के लिए भारत की जनता क्या-क्या कर सकती है? इस संबंध में मेरे कुछ सुझाव निम्नानुसार हैं:-

1. सारे भारतवासी संकल्प करें कि वे आज से ही अपने हस्ताक्षर हिंदी या अपनी मातृभाषा में ही करेंगे। सारे कानूनी दस्तावेजों और बैंक के खातों में अब आगे से स्वभाषा में ही हस्ताक्षर होंगे।
2. अपने-अपने शहर और गांव में दुकानों और घरों पर लगे सभी नामपट स्वभाषा में होंगे। यदि किसी अन्य भाषा में लिखना हो तो लिखते रहें लेकिन स्वभाषा ऊपर और बड़ी होनी चाहिए। अंग्रेजी नामपट लोग स्वतः न हटाएँ तो उन्हें पोतने का अभियान चलाएँ।
3. लोग शादी तथा अन्य कार्यक्रमों के अपने निमंत्रण स्वभाषा में छपवाएँ।
4. दुकानदार और कारखानेदार अपनी निर्मित चीजों पर विक्रय-चिंह और अन्य विवरण ग्राहक-भाषा में अंकित करें।
5. सारे नेताओं से अनुरोध किया जाए कि वे संसद और विधानसभा में अपने भाषण स्वभाषा में दें। लोक-प्रतिनिधि लोकभाषा का ही प्रयोग करें। सारे कानून हिंदी में बनें।
6. बैंकों और दुकानदारों को चाहिए कि वे अपनी पावती, रसीद और चेक वगैरह स्वभाषा में छपवाएं।
7. सरकारों से आग्रह किया जाए कि वे अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों पर पाबंदी लगाएं। अकेली अंग्रेजी नहीं, कई विदेशी भाषाएं हमारे छात्रों को पढ़ने की सुविधा दी जाए। पढ़ाई के माध्यम के रूप में अंग्रेजी की अनिवार्यता खत्म की जाए।

यदि हिंदी दिवस को भारत की जनता इस तरह से मनाने लगे तो भारत को तो सांस्कृतिक आजादी मिलेगी ही, हमारे पड़ौसी देश, जो हमारी तरह अंग्रेज के गुलाम रहे हैं, उन्हें भी भारत से प्रेरणा मिलेगी और वे सांस्कृतिक, बौद्धिक और मानसिक आजादी का आनंद उठा सकेंगे।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

संता: बंता, बताओ एक को एक से कैसे जोड़ें कि दो से अधिक हो जाए?
बंता: अरे यार इतना भी नहीं जानते। उनकी शादी कर देनी चाहिए।

☺ ☺ ☺

रामू: क्या स्वर्ग में हर चीज मिल जाती है?
बंटी: हां, लगभग हर चीज।
रामू: अच्छा, सिगरेट भी मिल जाती है ?
बंटी: हां, लेकिन माचिस या लाइटर के लिए तुम्हें नरक में जाना पड़ेगा।

☺ ☺ ☺

पत्नी पति से : पता है अपने पड़ोस में एक डॉक्टर साहब रहने आए हैं। हमें उनसे मेलजोल बढ़ाना चाहिए। पता नहीं कब काम आ जाएं।
पति : तुम्हें पता नहीं कि वह सिर्फ पोस्टमॉर्टम करते हैं।

☺ ☺ ☺

गब्बर सांभा से : अरे ओ सांभा, अड्डे के इधर-उधर के मच्छर मरवा दो।
सांभा : ठीक है सरदार।
दूसरे दिन मच्छर भिनभिनाने लगे, तो गब्बर ने सांभा से कहा, अरे ओ सांभा मच्छर को नहीं मारा क्या ?
सांभा : सरदार, मच्छरों को मार दिया यह तो उनकी विधवाओं रो रही हैं।

☺ ☺ ☺

हिन्दी बने राष्ट्र भाषा

लेखक- डॉ. सौरभ मालवीय)

हमारी त्रुटियां और बाधाएं भी एक-सी हैं। मैं यह बताने की कोशिश कर रहा हूं कि हमारी पोशाक के लिए एक ही तरह का कपड़ा न केवल वांछनीय है, बल्कि आवश्यक भी है। हमें एक सामान्य भाषा की भी जरूरत है- देशी भाषाओं की जगह पर नहीं, परन्तु उनके सिवा। इस बात में साधारण सहमति है कि यह माध्यम हिन्दुस्तानी ही होना चाहिए, जो हिन्दी और उर्दू के मेल से बने और जिसमें न तो संस्कृत की और न फारसी या अरबी की ही भरमार हो। हमारी रास्ते की सबसे बड़ी रुकावट हमारी देशी भाषाओं की कई लिपियां हैं।

'हिन्दी संस्कृत की बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि है।' ये शब्द बहुभाषाविद और आधुनिक भारत में भाषाओं का सर्वेक्षण करने वाले पहले भाषा वैज्ञानिक जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन के हैं। निस्संदेह हिन्दी देश के एक बड़े भू-भाग की भाषा है। महात्मा गांधी ने हिन्दी को जनमानस की भाषा कहा था। वह कहते थे कि राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है। भारत में अनेकों भाषायें एवं बोलियां हैं। इसलिए यहां यह कहावत बहुत प्रसिद्ध है- कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर वाणी। भाषा एक संवाद का माध्यम है। भारतीय संविधान में भारत की कोई राष्ट्र भाषा नहीं है। यद्यपि केंद्र सरकार ने 22 भाषाओं को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थान दिया है। इसमें केंद्र सरकार या राज्य सरकार अपने स्थान के अनुसार किसी भी भाषा का आधिकारिक भाषा के चयन कर सकती है। केंद्र सरकार ने अपने कार्यों के लिए हिन्दी तथा रोमन भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थान दिया है। इसके अतिरिक्त राज्यों ने स्थानीय भाषा के अनुसार भी आधिकारिक भाषाओं का चयन किया है। इन 22 आधिकारिक भाषाओं में असमी, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, संतली, सिंधी, तमिल, तेलुगू, बोड़ो, डोगरी, बंगाली एवं गुजराती सम्मिलित है। भारत की राष्ट्र भाषा को लेकर प्रारंभ से ही विवाद होता रहा है। इस संबंध में महात्मा गांधी कहते थे- 'अगर हमें एक राष्ट्र होने का अपना दावा सिद्ध करना है, तो हमारी अनेक बातें एक-सी होनी चाहिए। भिन्न-भिन्न धर्म और सम्प्रदायों को एक सूत्र में बांधने वाली हमारी एक सामान्य संस्कृति है। हमारी त्रुटियां और बाधाएं भी एक-सी हैं। मैं यह बताने की कोशिश कर रहा हूं कि हमारी पोशाक के लिए एक ही तरह का कपड़ा न केवल वांछनीय है, बल्कि आवश्यक भी है। हमें एक सामान्य भाषा की भी जरूरत है- देशी भाषाओं की जगह पर नहीं, परन्तु उनके सिवा। इस बात में साधारण सहमति है कि यह माध्यम हिन्दुस्तानी ही होना चाहिए, जो हिन्दी और उर्दू के मेल से बने और जिसमें न तो संस्कृत की और न फारसी या अरबी की ही भरमार हो। हमारी रास्ते की सबसे बड़ी रुकावट हमारी देशी भाषाओं की कई लिपियां हैं। अगर एक सामान्य लिपि अपनाना संभव हो, तो एक सामान्य भाषा का हमारा जो स्वप्न है- अभी तो वह स्वप्न ही है- उसे पूरा करने के मार्ग की एक बड़ी बाधा दूर हो जाएगी।' यह दुखद है कि देश की एक बड़ी जनसंख्या द्वारा बोले जाने वाली हिन्दी अब तक राष्ट्रभाषा नहीं बन पाई है। कुछ लोग कहते हैं कि गैर हिन्दी विशेषकर दक्षिण भारत के लोगों के विरोध के कारण हिन्दी को उसका वास्तविक स्थान नहीं मिल पाया है, परन्तु यह कथन उचित नहीं लगता, क्योंकि महात्मा गांधी गुजरात से थे तथा उनकी मातृभाषा गुजराती थी, फिर भी वह हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाए जाने के प्रबल समर्थक थे। महाराष्ट्र के वर्धा में आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए महात्मा गांधी ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि देश कि बहुसंख्यक आबादी न केवल हिन्दी लिखती-पढ़ती, अपितु भाषाई समझ रखती है, इसलिए हिन्दी ही देश की राष्ट्र भाषा होनी चाहिए। उनका मानना था कि स्वतंत्रता के पश्चात यदि हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाया जाता है, तो देश की बहुसंख्यक जनता को आपत्ति नहीं होगी। इसी प्रकार दक्षिण भारत के राजनेता राजगोपालाचार्य भी हिन्दी को राष्ट्र भाषा के रूप में देखना चाहते थे। उनके अनुसार हिन्दी में ही देश की राष्ट्र भाषा होने के सभी गुण हैं। सीमान्त गांधी के नाम से प्रसिद्ध खां अब्दुल गफ्फार खां भी हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने के समर्थक थे। वास्तव में हिन्दी भारत की राष्ट्र भाषा नहीं बन पाई, तो इसके लिए अंग्रेजी मानसिकता वाले भारतीय नेता ही उत्तरदायी थे। देश में सदैव अंग्रेजी भाषा एवं हिन्दी भाषा को लेकर कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों द्वारा भ्रम की स्थिति उत्पन्न की गई। इसके कारण हिन्दी का प्रचार-प्रसार नहीं हो पाया। दिन-प्रतिदिन हिन्दी पिछड़ती गई, जबकि अंग्रेजी अपना वर्चस्व स्थापित करती गई। आज स्थिति यह है कि भारत के शिक्षित समाज में हिन्दी बोलने वाले लोगों को हेय दृष्टि से देखा जाता है। अभिभावक चाहते हैं कि उनके बच्चे अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में पढ़ें। इसके लिए वे मोटी से मोटी फीस देने को तत्पर हैं। अंग्रेजी स्टेटस सिंबल बन गई है। बहुत से लोग मानते हैं कि अंग्रेजी उन्नति की भाषा है। अंग्रेजी के बिना कोई उन्नति नहीं कर सकता, परन्तु ऐसा नहीं है। विश्व के अनेक देशों में लिपि के नाम पर केवल चित्रात्मक विधियां हैं, तब भी वे देश उन्नति के मामले में शीर्ष पर हैं। रूस, चीन, जर्मनी, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, जापान, नीदरलैंड आदि देशों के उदाहरण सबके सामने हैं। सत्य तो यह है कि हिन्दी भारत की आत्मा, श्रद्धा, आस्था, निष्ठा, संस्कृति एवं सभ्यता से जुड़ी हुई भाषा है। भारत का दुर्भाग्य यह रहा है कि सहृदयता के नाम पर कुछ भारतीय प्रतिनिधि ही इसकी स्मिता की जड़ों को खोखला करने का कार्य करते आए हैं। हिन्दी को राष्ट्र भाषा के रूप मे राष्ट्रीय स्वीकृति नहीं मिलने के पीछे भी इसी प्रकार की सोच वाले नेताओं की प्रमुख भूमिका रही है। दुर्भाग्यवश इसी मानसिकता के लोगों का बाहुल्य आज भी कार्यपालिका से लेकर न्यायपालिका तक निर्णायक स्थिति में है। बोली की दृष्टि से हिन्दी विश्व में द्वितीय स्थान पर है, जबकि प्रथम बड़ी बोली मंदारीन है जिसका प्रभाव दक्षिण चीन के ही क्षेत्र में सीमित है। चूंकि उनका जनघनत्व और जनबल बहुत है। इस नाते वह विश्व की सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली जाती है, पर वह आचंलिक ही है। हिन्दी का विस्तार भारत के अतिरिक्त लगभग 40 प्रतिशत भू-भाग पर फैला हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 77 प्रतिशत लोग हिन्दी बोलते और समझते हैं। विश्व में लगभग 50 करोड़ लोग हिन्दी बोलते हैं। हिन्दी विश्व के 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाती है। देश का लगभग 60 प्रतिशत बाजार हिन्दी बोलने वाले लोगों का है। भारत

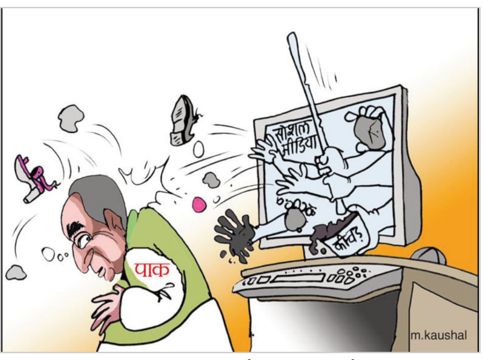

विश्व में सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार होने के नाते भी विश्व वाणिज्य की सभी संस्थाएं हिन्दी के प्रयोग को अपरिहार्य मान रही हैं। आज प्रत्येक कंपनी के विज्ञापन का आधार केवल हिन्दी है। इतना ही नहीं विदेशी कंपनियों के मोबाइल फोन भी हिन्दी में टाइपिंग की सुविधा उपलब्ध करवा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी हिन्दी का वर्चस्व दिखाई देता है। किन्तु किसी भाषा की सबलता केवल बोलने वाले पर निर्भर नहीं होती, अपितु उस भाषा में जनोपयोगी एवं विकास के कार्य कितने होते हैं, इस पर निर्भर होती है। उसमें विज्ञान, तकनीकि और श्रेष्ठतम आदर्शवादी साहित्य की रचना कितनी होती है? साथ ही तीसरा एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि उस भाषा के बोलने वाले लोगों का आत्मबल कितना महान है? परन्तु यह भारत का दुर्भाग्य ही है कि हिन्दी अपने ही देश में तुच्छ समझी जा रही है। हमें केवल इतना ही करना है कि हम अपना आत्मविश्वास जगाएं और अपने भारत पर अभिमान करें। हम विश्व में श्रेष्ठतम भाषा विज्ञान एवं परंपराओं वाले देश के नागरिक हैं। केवल हीन भावना के कारण हम स्वयं को तुच्छ समझ रहे हैं, अपितु आज के इस वैज्ञानिक युग में भी संस्कृत का भाषा विज्ञान कंप्यूटर के लिए सर्वोत्तम पाया गया है। यद्यपि सरकारी स्तर पर हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन अर्थात 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को केन्द्र सरकार की आधिकारिक भाषा बनाने का निर्णय लिया था। हिन्दी को देश के अधिकतर क्षेत्रों में हिन्दी बोली एवं पढ़ी जाती है, इसलिए हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया था। यह भारतीय संविधान के भाग-17 के अध्याय की अनुच्छेद-343(1) में वर्णित है कि संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप अन्तरराष्ट्रीय होगा। हिन्दी को प्रत्येक क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए वर्ष 1953 से देशभर में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। हिन्दी दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दौरान हिन्दी निबन्ध लेखन, वाद-विवाद, हिन्दी टंकण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही 14 सितम्बर से हिन्दी सप्ताह मनाया जाता है।

विचार मंथन

महानगरों में बाढ़

ोखक-सिद्धार्थ शंकर

हर साल 1,600 से अधिक लोगों की मौत ाढ़ के कारण होती है, जबकि 3.2 करोड़ ोग प्रभावित होते हैं। हर साल 92 हजार पशु ापनी जान गंवा देते हैं और 70 लाख हेक्टेयर ामीन प्रभावित होती है। साथ ही 5,600 रोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान होता है। यह ाब हमारी विकास की अंधी दौड़ के कारण हो हा है। प्राकृतिक रूप से माना जाता है कि बाढ़ ाम समय में ज्यादा बारिश के कारण आती है। ोकिन शहरों के मामले में और भी कारण हैं। ़श की व्यावसायिक राजधानी मुंबई हो या कोई ौर महानगर वहां बाढ़ आने की वजह है ानियंत्रित विकास, नालों, नदियों के किनारे ार्माण, नदियों, नालों में कचरे का प्रवाह, जल ाकासी मार्ग बाधित, सीवरों और नालों की ाफाई में लापरवाही और भ्रष्टाचार, झीलों और ालाबों का संरक्षण नहीं, पानी की निकासी के ाराब इंतजाम, बाढ़ नियंत्रण के खराब इंतजाम ौर बांधों का निर्माण और उनमें जलभराव-ाकासी की योजना में खामी आदि। इन सभी ाजहों से एक बार फिर बेंगलुरु की जनता बाढ़ ो हलाकान है। बेंगलुरु में पिछले एक हफ्ते से ो रही भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात ो गए हैं। यहां के कई इलाकों में इतना पानी ार गया है कि लोगों को सुरक्षित निकालने के ालए नावों की मदद ली जा रही है। इससे ाहले, 30 अगस्त को शहर में भारी बारिश हुई थी। तब भी ऐसे ही हालात बने थे। भारी बारिश का असर बेंगलुरु एयरपोर्ट पर भी देखा गया। एयरपोर्ट के मेन गेट पर भी पानी भर गया। कई लोगों ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पर निशाना साधा। लोगों ने कहा कि अब बेंगलुरु यूरोपीय स्तर का शहर हो गया है। यहां के इलाके वेनिस जैसे दिखाए देने लगे हैं। यानी कुल मिलाकर देखा जाए तो हमारे शहर में बाढ़ के लिए हम खुद दोषी हैं। 20 प्रतिशत मौतें भारत में हमारे शहरों का इस तरह अनियंत्रित विकास हुआ है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यहां 2-4 घंटे की बारिश में ही सड़कें लबालब हो जाती हैं, कॉलोनियों में पानी भर जाता है, नाले उफन जाते हैं और घरों में पानी भर जाता है। यानी बाढ़ के हालात निर्मित हो जाते हैं। यही कारण है कि दुनियाभर में बाढ़ की वजह से होने वाली मौतों में से 20 प्रतिशत भारत में ही होती हैं। शहरी क्षेत्रों में जलभराव तीव्र और लम्बे समय तक जारी वर्षा के कारण होता है। खासतौर से तब जब बारिश में गिरा पानी शहर की जलनिकासी तंत्र की क्षमता को पार कर जाता है। अनियोजित निर्माण, शहरी नालों में ठोस गंदगी और जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ती बारिश, दुनिया भर में शहरी बाढ़ के जाने पहचाने कारणों में से कुछ सामान्य कारण हैं। हर शहर के विकास के लिए एक ढांचागत नीति होती है लेकिन भारत में इसका पालन कम ही होता है। शहरीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति और शहरों में बढ़ती जनसंख्या के कारण अंधाधुंध निर्माण हो रहे हैं। लगभग सभी शहरों पर जनसंख्या का दबाव ऐसा पड़ रहा है कि बाढ़ क्षेत्र में बस्तियां बसने लगी हैं। बड़ी संख्या में पुल, ओवरब्रिज समेत मेट्रो परियोजनाओं का निर्माण हो रहा है वह मौजूदा जलनिकासी मार्गों में किया जा रहा है। उचित इंजीनियरिंग डिजाइनों जैसे केंटिलीवर निर्माण आदि का सहारा लेकर ड्रेनेज सिस्टम की रक्षा की जा सकती है। जमीन सिर्फ मकान बनाने के लिए नहीं है, पानी के लिए भी है। ताल-तलैये और पोखर शहर के सोख्ते की तरह हैं। बाढ़ नियंत्रण के इन परंपरागत तरीके के प्रति उपेक्षा ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। जलवायु परिवर्तन के चलते बेमौसम या मानसून के दौरान जब भारी बारिश होती है तो पानी के निकलने का कोई स्थान नहीं बचता है। लिहाजा बाढ़ और विनाश अवश्यंभावी हो जाते हैं। इन्हें फिर से पुनर्जीवन देकर शहरी बाढ़ का प्रभाव कम किया जा सकता है। इसके अलावा छिद्रदार फुटपाथ बनाए जाने चाहिए जिससे पानी सतह के नीचे की मिट्टी तक पहुंच जाता है। जमीनी अध्ययन नहीं यह एक विडंबना ही है कि शहर नियोजन के लिए गठित लंबे-चौड़े सरकारी अमले पानी के बहाव के समक्ष खुद को असहाय पाते हैं।

भारत के स्वत्व को पुनर्स्थापित

भारत के स्वत्व की पहचान है हिन्दी

(लेखिका-डॉ. वंदना सेन)

स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव में भारत के स्वत्व को पुनर्स्थापित करने का जिस प्रकार से प्रयास किया जा रहा है, उसके कारण निश्चित ही आम जनमानस में यह धारणा बनी है कि भारत की विरासत गौरवमयी है। भारत में विश्व गुरू बनने की क्षमता आज भी विद्यमान है। लेकिन हमें यह भी बोध होना चाहिए कि भारत को विश्व गुरु का दर्जा देने के लिए क्या प्रयास करना चाहिए। इन प्रयासों में किसको शामिल करना चाहिए? स्वाभाविक रूप से इसका उत्तर यही है कि भारत की उन पहचान के प्रतीकों को समृद्ध किया जाना चाहिए, जिससे भारत का स्वत्व जुड़ा हुआ है। इसका अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि हिन्दी भाषा भी भारत के स्वत्व से गहरे तक संबंध रखती है। हिन्दी हिन्दुस्तान की पहचान है। यह सर्वकालिक सत्य है कि कोई भी देश अपनी भाषा में ही अपने मूल स्वत्व को प्रकट कर सकता है। निज भाषा देश की उन्नति का मूल होता है। निज भाषा को नकारना अपनी संस्कृति को विस्मरण करना है। जिसे अपनी भाषा पर गौरव का बोध नहीं होता, वह निश्चित ही अपनी जड़ों से कट जाता है और जो जड़ों से कट गया, उसका अंत निश्चित हो जाता है। भारत का परिवेश निस्संदेह हिंदी से भी जुड़ा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि हिंदी भारत का प्राण है, हिंदी भारत का स्वाभिमान है, हिंदी भारत का गौरव गान है। भारत के अस्तित्व का भान कराने वाले प्रमुख बिंदुओं में हिंदी का भी स्थान है। आज हम जाने अनजाने में जिस प्रकार से भाषा के साथ मजाक कर रहे हैं, वह अभी हमें समझ में नहीं आ रहा होगा, लेकिन भविष्य के लिए यह अत्यंत दुखदायी होने वाला है। वर्तमान में प्रायः देखा जा रहा है कि हिंदी बोलचाल में अंग्रेजी और उर्दू शब्दों का समावेश बेखटके हो रहा है। इसे हम अपने स्वभाव का हिस्सा मान चुके हैं, लेकिन हम विचार करें कि क्या यह हिंदी के शब्दों की हत्या नहीं है। हम विचार करें कि जब भारत में अंग्रेजी नहीं थी, तब हमारा देश किस स्थिति में था। हम अत्यंत समृद्ध थे, इतने समृद्ध कि विश्व के कई देश भारत की इस समृद्धि से जलन रखते थे। इसी कारण विश्व के कई देशों ने भारत की समृद्धि को नष्ट करने का तब तक षड्यंत्र किया, जब तक वे सफल नहीं हो गए। हम अंग्रेजी को केवल एक भाषा के तौर पर स्वीकार करें। भारत के लिए अंग्रेजी केवल एक भाषा ही है। जब हम हिंदी को मातृभाषा का दर्जा देते हैं तो यह भाव हमारे स्वभाव में प्रकट होना चाहिये। भाषा के मामले में हम अत्यंत समृद्ध हैं, लेकिन कभी-कभी यह भी देखा जाता है कि राजनीतिक कारणों के प्रभाव में आकर कुछ लोग हिंदी का विरोध करते हैं। इस विरोध से जन सामान्य का कुछ भी लेना देना नहीं होता, लेकिन ऐसा प्रचारित करने का प्रयास किया जाता है, जैसे पूरा समाज ही विरोध कर रहा हो। जहां तक राष्ट्रीयता का सवाल आता है तो हर देश की पहचान उसकी भाषा भी होती है। हिन्दी हमारी राष्ट्रीय पहचान है। हमारी मातृभाषा कोई भी हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय पहचान हमारी राष्ट्रभाषा है। आज पूरा भारत राष्ट्रीय भाव की तरफ कदम बढ़ा रहा है। हिन्दी के प्रति प्रेम प्रदर्शित हो रहा है। आज हमें इस बात पर भी मंथन करना चाहिए कि भारत में हिंदी दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। भारत में अंग्रेजी दिवस और उर्दू दिवस क्यों नहीं मनाया जाता। कारण, आज हम स्वयं ही हिंदी के शब्दों की हत्या करने पर उतारू हो गए है। ध्यान रखना होगा कि आज जिस प्रकार से हिंदी के शब्दों की हत्या हो रही है, कल पूरी हिंदी भाषा की भी हत्या हो सकती है। हम विचार करें कि हिंदी भारत के स्वर्णिम अतीत का हिस्सा है। हमारी संस्कृति का हिस्सा है। ऐसा हम अंग्रेजी के बारे में कदापि नहीं बोल सकते। इसलिए ही भारत में हिन्दी दिवस मनाने की मनन करने आवश्यकता है। आज हिंदी को पहले की भांति वैश्विक धरातल प्राप्त हो रहा है। विश्व के कई देशों में हिंदी के प्रति आकर्षण का आत्मीय भाव संचरित हुआ है। वे भारत के बारे में गहराई से अध्ययन करना चाह रहे हैं। विश्व के कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में हिन्दी के पाठ्यक्रम संचालित किए जाने लगे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मूनलाइटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी, नियम तोड़ा तो चली जाएगी नौकरी

-इंफोसिस ने दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली । कर्मचारियों की मूनलाइट धोखाधड़ी पर आईटी कंपनियां अब सख्त होने लगी हैं। इन्फोसिस ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि अगर उन्होंने मूनलाइटिंग (एक साथ दो जगहों पर काम) बंद नहीं किया तो उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है। इन्फोसिस के चेयरमैन ऋषद प्रेमजी ने मूनलाइटिंग को धोखाधड़ी का नाम दिया है और कर्मचारियों को इससे बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि मूनलाइटिंग से कंपनी की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। अब कर्मचारियों को भेजे ई-मेल में कंपनी के एचआर विभाग ने सख्े त शब्दों में एकसाथ दो नौकरियां बंद करने की बात कही है। इसके अनुसार, कंपनी की ओर से तय काम के घंटे के साथ या उसके बाद किए गए अन्य किसी काम को सेकंड जॉब माना जाएगा। कंपनी ने साफ कहा, दोहरी नौकरी एम्प्लॉयी हैंडबुक या कोड ऑफ कंडक्ट के लिहाज से स्वीकार नहीं किया जाएगा। कर्मचारियों को दिए गए ऑफर लेटर में भी कहा गया है कि कर्मचारी बिना कंपनी की अनुमति के कोई भी दूसरा पार्ट टाइम या फुल टाइम जॉब नहीं कर सकेंगे। अगर इन नियमों को तोड़ा जाता है तो कर्मचारी को नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है। ई-मेल में कहा गया है कि कोरोनाकाल के दौरान वर्क फ्रॉम होम और रिमोर्ट वर्किंग की वजह से मूनलाइटिंग के मामले ज्यादा सामने आए हैं। खासकर आईटी कर्मचारियों के लिए, जो बिना अपने पहले नियोक्ता को जानकारी दिए दूसरी जगह काम करने लगते हैं। इससे हमारी उत्पादकता, बिजनेस और जॉब परफॉर्मेंस पर असर पड़ने के साथ डाटा लीक का भी खतरा रहता है।

इस महीने के बचे 17 दिनों में 5 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली । त्योहारों की शुरुआत सितंबर के महीने से हो जाती है अब जब इस महीने में कुल 13 दिन बैंकों में अवकाश रहेगा। इनमें से 8 अवकाश तो अब तक बीत चुके हैं। अब इस महीने के बाकि बचे दिनों में से देश के बैंकों में 5 दिन छुट्टियां रहेंगी। इसलिए अगर आपको भी कोई जरूरी काम से आने वाले दिनों में बैंक जाना है तो बैंक होलीडे के बारे में जरूर जानकारी ले लें। रिजर्व बैंक (आरबीआई) हर कैलेंडर वर्ष में बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट जारी करता है। यहां यह जानना जरूरी है कि कई अवकाश राष्ट्रीय स्तर के होते हैं। उस दिन पूरे देश के बैंक बंद रहते हैं। वहीं, कुछ छुट्टियां स्थानीय या क्षेत्रीय की होती हैं। उन दिनों को केवल कुछ राज्े यों में ही बैंक शाखाएं बंद होती हैं। अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों की छुट्टियों की लिस्ट भी अलग-अलग होती है। वर्तमान में बैंकों की अधिकतर सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध है। मोबाइल बैंकिंग और नेट बैंकिंग ने ग्राहकों की बहुत सी मुश्किलें आसान कर दी हैं। यही कारण है कि अब बैंक बंद होने पर भी पैसा ट्रांसफर करने सहित कई काम किए जा सकते हैं। लेकिन, अब भी कुछ काम ऐसे हैं, जो बैंक ब्रांच जाकर ही होते हैं। इसीलिए बैंक बंद होने पर कई ग्राहकों के कुछ जरूरी काम अटक जाते हैं। इसलिए हर बैंक ग्राहक को बैंकों के अवकाश के बारे में जानकारी लेता रहना चाहिए ताकि अगर उसे कोई जरूरी बैंकिंग काम हो तो वह छुट्टी वाले दिन से पहले ही निपटा सके। अवकाश की सूची- 18 सितंबर, 2022 रविवार के चलते बैंक बंद रहेगें। 21 सितंबर, 2022 को श्री नारायणा गुरु समाधि दिवस के चलते तिरुवनंतपुरम, कोच्ची में बैंक बंद रहेंगे। 24 सितंबर, 2022 को चौथे शनिवार की वजह से बैंकों में अवकाश रहेगा। 25 सितंबर, 2022 रविवार का साप्ताहिक अवकाश। 26 सितंबर, 2022 को नवरात्रि स्थापना पर जयपुर और इंफाल में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

निफ्टी 18,000 अंक के आंकड़े से ऊपर पहुंचा

मुंबई । मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीददारी और दुनिया भर के बाजारों में मिले अच्छे संकेतों से भी घरेलू शेयर बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 455.95 अंक करीब 0.76 फीसदी ऊपर आकर 60,571.08 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 133.70 अंक तकरीबन 0.75 फीसदी बढ़कर 18,070.05 अंक पर बंद हुआ। इस साल निफ्टी पहली बार 18,000 अंक के आंकड़े से ऊपर पहुंचा है। आज कारोबार के दौरान आईटी और रियल्टी को छोड़कर निफ्टी के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में तेजी आई। आज के कारोबार में सबसे ज्यादा उछाल निफ्टी मेटल में (1.28 फीसदी) दिखा है। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (0.91 फीसदी), निफ्टी एफएमसीजी में (0.75 फीसदी), निफ्टी बैंक (0.74 फीसदी) और निफ्टी मीडिया (0.37 फीसदी) में भी तेजी रही। आज निफ्टी पर बजाज फिनसर्व (4.74 फीसदी), टाटा कंज्यूमर (2.85 फीसदी), इंडसइंड बैंक (2.18 फीसदी), ब्रिटानिया (2.16 फीसदी) और भारती एयरटेल (1.88 फीसदी) सबसे ज्यादा लाभ वाले शेयर रहे। वहीं नुकसान वाले शेयरो में श्रीराम सीमेंट (-0.85 फीसदी), सिपला (0.72 फीसदी), आयशर मोटर्स (-0.54 फीसदी), डीवीज लैब (-0.53 फीसदी) और बीपीसीएल (-0.47 फीसदी) रहे। इसके अलावा टीसीएस के शेयर में सबसे अधिक 0.37 फीसदी की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह से ही बाजार तेजी के साथ खुला और समय के साथ ही यह तेजी बढ़ती गयी।

रुपया 79.55 प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में तेजी आई है। डॉलर के नीचे आने के साथ ही विदेशी कोषों में निवेश बढ़ने से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 36 पैसे बढ़कर 79.17 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 79.30 पर खुला। दिन के कारोबार में रुपया 79.03 के ऊपरी और 79.33 के निचले स्तर पर पहुंचा। अंत में यह डॉलर के मुकाबले 79.17 पर बंद हुआ। यह रुपये के पिछले बंद भाव के मुकाबले 36 पैसे बेहतर रहा है। वहीं गत दिवस रुपया 79.53 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.40 फीसदी नीचे आकर 107.89 पर बंद हुआ।

वित्त मंत्री ने पूछा........निवेश को लेकर इंडियन इंडस्ट्री में आत्म विश्वास की कमी क्यों

नई दिल्ली । भारत में निवेश को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय कंपनी और इन्वेस्टर्स से पूछा कि इस समय में निवेश करने से उन्हें कौन रोक रहा है, जबकि विदेशी संस्थागत निवेशक, फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर और घरेलू खुदरा निवेशक भारत की तरक्की में पूरे दमखख से विश्वास दिखा रहे हैं। वित्त मंत्री ने माइंडमाइन समिट 2022 में बिजनेस लीडर्स में यह बात कही। उन्होंने कहा, अगर अभी यह कहना गलत नहीं है, तब मैं भारतीय उद्योग जगत से भी जाननी चाहती हूं कि ऐसा क्या है, जिसके कारण वे निवेश करने से हिचकिचा रहे हैं। 2019 में जब से मैंने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला है, मैं सुन रही हूं कि उद्योग जगत को नहीं लगता कि निवेश के लिए माहौल अनुकूल है। टैक्स की दरों को नीचे लाओ, इसकारण कर की दरों में कम की गई, उत्पादन से जुड़ा प्रोत्साहन दें, तब हमारी सरकार ने पीएलआई दिया है। मैं इंडियन इंडस्ट्री से सुनना चाहती हूं कि आपको आखिरी निवेश करने से कौन रोक रहा है? मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ते हुए भारत सरकार ने पिछले साल ऑटोमोबाइल और ऑटो सेक्टर और टेक्सटाइल्स सहित 14 सेक्टर के लिए लगभग 2 ट्रिलियन के बड़े खर्च के साथ प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेनटिव उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना शुरू की। निर्मला सीतारमण ने कहा कि जब विदेशी निवेशक और विदेशी कंपनियां भारत में निवेश करना चाह रही हैं। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश देश में आ रहा है। भारतीय शेयर बाजार भी मजबूती दिखा रहा है और भारतीय रिटेल इन्वेस्टर को इसमें पूरा विश्वास है। तब निवेश को लेकर इंडियन इंडस्ट्री में आत्म विश्वास की यह कमी क्यों है। सरकार देश के प्राइवेट सेक्टर से निवेश को बढ़ावा देने की अपील कर रही है।

बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए रेपो दर में एक बार फिर बढ़ोतरी कर सकता है भारतीय रिजर्व बैंक

मुंबई ।

बढ़ती महंगाई और अन्य चुनौतियों से निपटने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक 28-30 को होने वाली है। इससे पहले अटकलें लगाई जा रही है कि आरबीआई रेपो दर में एक और बढ़ोतरी कर सकता है, ताकि मुद्रा स्फीति के प्रभावों को काबू में किया जा सके। रेपो रेट में होने वाली बढ़ोतरी का सीधा असर आम आदमी की जेब पर होगा। क्योंकि इससे होम लोन और अन्य कर्ज महंगे हो जाएंगे। हालांकि कहा जा रहा है कि सितंबर के बाद ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला थम जाएगा। महंगाई पर नियंत्रण पाने के लिए रिजर्व बैंक इस साल 3 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर चुका है। आरबीआई ने मई और जून कुल 90 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी के बाद अगस्त में फिर रेपो रेट में 50 बेसिस पॉइंट की वृद्धि की है। आरबीआई ने बैंकों के दिए जाने वाले लोन की ब्याज दर को 3 महीने में 1.40 फीसदी बढ़ाया है और अब यह दर 5.40 प्रतिशत है। सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश की रिटेल महंगाई दर बढ़कर आई है। यह दर जुलाई के 6.71 फीसदी के मुकाबले अगस्त में 7 प्रतिशत पर आ गई है। महंगाई पर नियंत्रण पाने की कोशिशों को लेकर यह आंकड़ा केंद्रीय बैंक के लिए एक बड़ा झटका है जिससे इस बात की संभावना बनती है कि वह रेपो रेट में बढ़ोतरी कर सकता है। एमपीसी इस बार रेपो रेट में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकती है। जर्मनी के डॉयचे बैंक ने इस वृद्धि का अनुमान लगाया है। अगर रेपो रेट में 0.25 फीसदी का इजाफा होता है तो यह दर 5.65 फीसदी तक पहुंच जाएंगी। दरअसल महंगाई पर नियंत्रण पाने के लिए रिजर्व बैंक मांग को कम करने की कोशिश करता है और इसके लिए कर्ज महंगा किया जाता है। अगर रिजर्व बैंक रेपो रेट में वृद्धि करता है बैंकों द्वारा दिया जाने वाला कर्ज महंगा हो जाएगा। दरअसल, बैंक के कई लोन सीधे रेपो रेट से जुड़े होते हैं। इसलिए रेपो रेट में होने वाला कोई भी बदलाव आम जनता तक पहुंचता है। पिछली 3 बार से नीतिगत दरों में वृद्धि के कारण होम लोन 8 फीसदी के करीब पहुंच गया है। इस बार यह 8 फीसदी को पार कर सकता है।कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि सितंबर के बाद आरबीआई ब्याज दरों में बढ़ोतरी नहीं करेगा। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, पहली तिमाही में अपेक्षित जीडीपी में वृद्धि अनुमान से कम होने के कारण आरबीआई को ग्रोथ से जुड़े अनुमानों को कम करने के लिए प्रेरित करेगा। वहीं दिसंबर में अगली एमपीसी बैठक होगी और उस वक्त तक मुद्रास्फिति की दर 6 फीसदी तक आने की संभावना है।

अक्टूबर-दिसंबर के बीच 54 फीसदी नियोक्ता करेंगे नई नियुक्तियां

नई दिल्ली ।

आर्थिक दबावों के बाद भी देश में नई नियुक्तियों का क्षेत्र काफी मजबूत नजर आ रहा है। करीब 54 प्रतिशत कंपनियों ने अगले तीन माह में नई नियुक्तियों की योजना बनाई है। रोजगार परिदृश्य सर्वे के अनुसार, इस साल अक्टूबर-दिसंबर में श्रम बाजार का सेंटीमेंट मजबूत दिखाई दे रहा है। इस सर्वे में 41 देशों और क्षेत्रों के सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के 40,600 नियोक्ताओं की राय ली गई है। इस सर्वे के अनुसार, भारत में 64 प्रतिशत कंपनियां अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएंगी। वहीं 10 प्रतिशत ने कर्मचारियों की संख्या कम करने की बात कही है। 24 प्रतिशत का कहना था कि उनकी कर्मचारियों की संख्या में किसी तरह का बदलाव करने की योजना नहीं है। इस तरह देखा जाए नेट इंप्लॉयमेंट आउटलुक 54 फीसदी नजर आता है। नियुक्तियों की संख्या के मामले में ब्राजील के बाद भारत दूसरे स्थान पर है। ब्राजील में 56 प्रतिशत नियोक्ताओं ने नई नियुक्तियों की बात कही। सर्वे में कहा गया है कि पिछले साल की समान अवधि से तुलना की जाए, तो हायरिंग सेंटीमेंट्स में 10 प्रतिशत का सुधार हुआ है। वहीं पिछली तिमाही की तुलना में इसमें तीन प्रतिशत का सुधार है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की बुनियाद मजबूत है। लघु अवधि के झटकों के बावजूद वृद्धि को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों, बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश में बढ़ोतरी और बढ़ते निर्यात मध्यम से दीर्घावधि में इन झटकों के असर को कम करेगा। उन्होंने कहा कि एमएसपी में वृद्धि और पर्याप्त मॉनसून के कारण खरीफ सीजन में श्रम की मांग में तेजी आएगी। इसके अलावा त्योहारी सीजन और ग्राहकों के बढ़ते आत्मविश्वास के साथ ही शहरी क्षेत्रों में नौकरियां बढ़ेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, नई भर्तियों में यह तेजी कृषि, फॉरेस्टरी, माइनिंग, इलेक्ट्रिसिटी और गैस क्षेत्र में नौकरियां बढ़ने के कारण आएगी। इसके बाद कंस्ट्रक्शन और होटल सेक्टर में भी नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। पिछली तिमाही के बाद आईटी, टेक्नोलॉजी, टेलीकॉम और मीडिया के क्षेत्र में रोजगार की संभावना बढ़ी है। जबकि शिक्षा, हेल्थ, सामाजिक सेवा और सरकारी सेवाओं में यह घटी है।

भारत अपनी मुद्रा रुपये का 'बचाव' नहीं कर रहा : नागेश्वरन

नई दिल्ली । मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि भारत अपनी मुद्रा रुपये का 'बचाव' नहीं कर रहा है, केंद्रीय बैंक द्वारा रुपये के उतार-चढ़ाव को धीमा और बाजार रुख के अनुरूप रखने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। नागेश्वरन ने कहा कि रुपये का प्रबंधन जिस तरीके से हो रहा है, वह अर्थव्यवस्था की बुनियाद को दर्शाता है। उन्होंने कहा, भारत अपने रुपये का 'बचाव नहीं कर रहा है। मुझे नहीं लगता है कि देश की बुनियाद ऐसी है, जहां हमें अपनी मुद्रा का बचाव करना पड़े। रुपया इसमें खुद सक्षम है।'' अगस्त में रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर 80.15 प्रति डॉलर पर आ गया था। फिलहाल या 79.25 प्रति डॉलर पर है। सीईए ने कहा, रिजर्व बैंक यह सुनिश्चित कर रहा है कि रुपया जिस भी दिशा में जा रहा है, वह काफी तेजी से नहीं हो और बाजार रुख के अनुरूप हो। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट पर नागेश्वरन ने कहा कि वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचाव का रुख पूंजी को यहां आने से रोक रहा है। निश्चित रूप से इससे विदेशी मुद्रा भंडार पर असर पड़ रहा है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 अगस्त को समाप्त सप्ताह में तीन अरब डॉलर से अधिक घटकर 561.04 अरब डॉलर रह गया।

दीवाली और छठ पूजा के कारण ट्रेन में सीटें फुल, विमानों का किराया तीन गुना पहुंचा

नई दिल्ली।

देश में पर्व-त्यौहार शुरू होते ही यूपी, बिहार और झारखंड जाने वाली ट्रेनों और विमानों के किराए में बढ़ोतरी शुरू होती है। खासकर, पटना, लखनऊ, गोरखपुर, देवघर, दरभंगा और वाराणसी जाने के लिए ट्रेन में कन्फर्म टिकट नहीं है,तब विमानों के किराये आसमान छूने लगे हैं। बता दें कि इनदिनों पूर्वी यूपी या बिहार जाने वाली लंबी दूरी की किसी भी ट्रेन में कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहे हैं। जिस किसी ट्रेन में टिकट उपलब्ध भी है, तब वहां वेटिंग लिस्ट बहुंत लंबी है। इसके बाद दीपावली और छठ पर जाने वाले लोग परेशान हो रहे हैं। इस बार दशहरा, दीपावली और छठ से पहले ही ट्रेनों के साथ-साथ हवाई किराया भी सातवें आसमान पर पहुंच गया है। बता दें कि जैसे-जैसे दिवाली और दशहरा का समय करीब आ रहा है, किराया बढ़ता चला जा रहा है। लंबी दूरी की ट्रेनों में सीटें न मिलने के कारण दिवाली और छठ के आसपास लोग विमान से जाना पसंद करते हैं, लेकिन इस बार विमान किराया में भी जबरदस्त उछाल आ गया है। सबसे ज्यादा असर दिल्ली-पटना, दिल्ली-दरभंगा, दिल्ली-रांची रूटों पर देखा जा रहा है। इन रूटों पर हवाई किराया आम दिनों की तुलना में तकरीबन तीन गुना महंगा हो गया है। बता दें कि दिल्ली से पटना के बीच 22 अक्तूबर को इंडिगो का किराया लगभग 13 हजार के आस-पास पहुंच गया है। वहीं, विस्तारा, एयर इंडिया का किराया भी तकरीबन 13 हजार के आसपास ही है।बता दें कि इस रूट्स पर आम दिन किराया 5 हजार के आसपास रहता है। अगर बात 23 अक्टूबर की करें, तब इस दिन इंडिगो की शाम 6.15 की फ्लाइट का किराया 15 हजार के आसपास पहुंच चुका है। जैसे-जैसे दिवाली और छठ और नजदीक आएगा किराया बढ़ता ही चला जाएगा। इस तरह दिल्ली-दरभंगा फ्लाइट के लिए भी आपको 13000 से 15000 तक किराया देना पड़ेगा।

यही हाल रांची, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर और देवघर के उड़ानों के लिए भी है। बता दें कि 24 अक्तूबर को दीपावली है और इसके छह दिन बाद छठ का पहला अर्घ्य है। इसके बाद टिकटों की मांग बढ़ने से किराये में भी बेतहाशा बढ़ोतरी हो गई है। गौरतलब है कि विमान किराया में तेजी का असर सबसे ज्यादा दिल्ली-पटना रूट पर देखा जा रहा है।

टेक सेक्टर में भारत की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी एचसीएल ने की 350 कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली ।

टेक सेक्टर में भारत की तीसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज (एचसीएल टेक्नालाजीज) ने वैश्विक स्तर पर बड़ी छंटनी की है। कंपनी ने 350 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। कंपनी द्वारा निकाले गए कर्मचारी ग्वाटेमाला, फिलीपींस और भारत सहित कुछ अन्य देशों के हैं। एचसीएल से निकाले गए इन कर्मचारियों का कंपनी में आखिरी दिन 30 सितंबर होगा। इस बड़ी भारतीय कंपनी की ओर से उठाए गए कदम ने इस सेक्टर में मंदी की चिंताओं को बढ़ा दिया है। जिन कर्मचारियों को कंपनी से निकाला गया है, वे कंपनी की क्लाइंट माइक्रोसॉफ्ट के न्यूज रिलेटेड प्रोडक्ट्स पर काम कर रहे थे। वैश्विक मुद्रास्फीति की बढ़ती चिंताओं के बीच एचसीएल की ओर से उठाए गए इस कदम से आईटी सेक्टर के लिए आगे मुश्किल हालात के संकेत मिल रहे हैं। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार कर्मचारियों को पिछले माह हुई एक टाउन हॉल मीटिंग में इस छंटनी के बारे में बताया गया था। हालांकि, इस बड़ी छंटनी के बारे में एचसीएल की ओर से अभी कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एचसीएल टेक्नोलॉजीज अकेली ऐसी भारतीय आईटी कंपनी नहीं है, जो दुनिया भर से व्यापक आर्थिक दबावों के कारण संघर्ष कर रही है। वैश्विक मुद्रास्फीति की बढ़ती चिंताओं ने अन्य भारतीय आईटी दिग्गजों जैसे टीसीएस, विप्रो और इंफोसिस के लिए भी परेशानी पैदा कर दी है। लागत बढ़ने के कारण इन कंपनियों को मार्जिन के दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

शक्तिमान बने अभिनेता मुकेश खन्ना के कारण देश के हर घर में पहुंचा पारले-जी

बिक्री 50 टन से उछलकर 2000 टन के पार निकल गई

मुंबई ।

पारले-जी भारत के घर-घर में सालों से जाना-पहचाना नाम है। देश का हर बच्चा भी पारले-जी के नाम से परिचित है। भारतीय बिस्किट बाजार में पारले-जी की बादशाहत के 2-3 दशक हो चुके हैं। कोई भी अन्य ब्रांड पारले-जी की लोकप्रियता के आस-पास नहीं पहुंच सका है। पारले-जी की सफलता के पीछे 90 के दशक का लोकप्रिय सुपरहीरो कैरेक्टर शक्तिमान है। शक्तिमान के कारण एक महीने में पारले-जी बिस्किट की बिक्री 50 टन से उछलकर 2000 टन के पार निकल गई थी।

यह कहानी है 1990 के दशक के अंतिम सालों की। उस दौर में भारतीय सुपरहीरो शक्तिमान पर बना टीवी शो बेहद लोकप्रिय था। खासकर बच्चे शक्तिमान के कैरेक्टर को खूब पसंद करते थे। यह धारावाहिक टेलीविजन पर 1997 से 2005 के दौरान प्रसारित हुआ था। अभिनेता मुकेश खन्ना उस धारावाहिक में शक्तिमान बने थे। मार्केटिंग जानकार संजय मुडनानी बताते हैं, कि किस तरह से मुकेश खन्ना को साथ लेकर प्रचार का एक प्रयोग बेहद सफल साबित हुआ था। यहां तक कि उस समय के सबसे मुश्किल बाजारों में से एक तमिलनाडु में भी पारले-जी का वर्चस्व स्थापित हो गया था। मुडनानी ने उस दौर में अपनी पहली इंटीग्रेटेड मार्केटिंग कंपनी स्थापित की थी। पारले-जी भी उनकी ग्राहक थी। मुडनानी बताते हैं कि करीब 25 साल पहले पारले प्रोडक्ट के मार्केटिंग हेड ने उन्हें तमिलनाडु बाजार की चुनौतियों के बारे में अवगत कराया था। उन्होंने बताया था कि बाजार में मिल्क बिस्किट का दबदबा है और ब्रिटानिया की मिल्क बिकीज सबसे ज्यादा बिकती है। पारले-जी ग्लुकोज बिस्किट है और उस समय मार्केट में उसकी उपस्थिति नहीं थी, लेकिन वह दक्षिण के बाजार में हिस्सेदारी चाह रही थी। बकौल मुडनानी, हमने एक प्रयोग करने का निर्णय लिया।

शक्तिमान सुपरहीरो कैरेक्टर तमिलनाडु में बच्चों के बीच काफी लोकप्रिय था। वह कैरेक्टर पारले-जी का नेशनल ब्रांड एंबैसडर भी था। शक्तिमान के कैरेक्टर में एनर्जी, स्टेमिना, स्ट्रेंथ और गुड वैल्यूज जैसी वे तमाम बातें थीं, जिनसे पारले-जी बिस्किट को रिलेट किया जाता था। इसके बाद मुडनानी ने शक्तिमान यानी मुकेश खन्ना को चेन्नई ले जाकर बच्चों से मिलवाने का निर्णय लिया।

कंपनियां आईपीओ लाते समय ज्यादा भाव मांगती हैं, ऐसा क्यों इसकी जानकारी देना चाहिए : माधवी पुरी

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच का कहना है कि पूंजी बाजार नियामक का काम नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकी कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए मूल्य सुझाने का नहीं है। हालांकि, साथ ही माधवी पुरी ने कहा कि कंपनियों को इस बारे में अधिक खुलासा करना चाहिए कि कैसे मूल्यांकन आईपीओ पूर्व नियोजन और निर्गम के लिए मांगे गए मूल्य के दौरान बदल गया। फिक्की द्वारा आयोजित सालाना पूंजी बाजार सम्मेलन को संबोधित कर माधवी ने कहा, प्रौद्योगिकी कंपनियों के आईपीओ के मूल्य को लेकर काफी कुछ कहा जाता है। आप किस मूल्य पर आईपीओ लाना चाहते हैं, यह देखना आपका काम है। हमारा इसके बारे में सुझाव देने का काम नहीं है।''

सेबी की पहली महिला प्रमुख माधवी ने उदाहरण देकर कहा कि कोई कंपनी निवेशकों को 100 रुपये प्रति शेयर के भाव पर शेयर बेच रही है। लेकिन कुछ माह बाद जब वह आईपीओ लाती है, तब 450 रुपये का भाव मांगती है। उन्होंने कहा कि कंपनी ऊंचा दाम मांगने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन कंपनी को यह खुलासा करना चाहिए कि इस बीच की अवधि में ऐसा क्या हुआ है जिससे शेयर का भाव इतना बढ़ गया है। यहां देखने में मिला है, कि नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकी कंपनियों ऊंचे मूल्यांकन से खुदरा निवेशक सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। पेटीएम का शेयर सूचीबद्धता के कुछ सप्ताह में ही आईपीओ के निर्गम मूल्य का एक-तिहाई रह गया। हालिया घटनाक्रमों पर सवाल पूछने पर माधवी बुच ने कहा कि निवेश बैंकरों को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नियामक नियमन बनाते समय अपने रुख को लोकतांत्रिक रखेगा और यह सिर्फ आंकड़ों के आधार पर काम करेगा।

टी20 विश्व कप से पहले बीसीसीआई पेश करेगी नई जर्सी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट से पहले नई जर्सी पेश करेगी। बीसीसीआई ने एक वीडियो में यह संकेत दिये कि शीघ्र ही टीम द्वारा पहनी जाने वाली नई जर्सी सार्वजनिक की जाएगी। इसी कड़ी में कप्तान रोहित शर्मा, बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और ऑलराउंडर खिलाड़ी हार्दिक पांड्या को टीम इंडिया के आधिकारिक किट प्रायोजक एमपीएल की वेबसाइट पर अपने सुझाव देने के लिए प्रशंसकों को प्रेरित करते देखा जा सकता है। एक वीडियो में टीम के कप्तान रोहित ने कहा, 'प्रशंसकों के रूप में, आप हमें वह क्रिकेटर बनाते हैं जो आज हम हैं।' इसी तरह से अय्यर ने कहा, 'आप लोगों के प्रोत्साहन से ही हमें ऊर्जा और ताकत मिलती है।' वहीं पांड्या ने कहा, 'लिंक पर क्लिक करें और टीम इंडिया की नई जर्सी का हिस्सा बनें।' इसमें पांड्या ने बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किये गए इंस्टाग्राम वीडियो में जारी लिंक का जिक्र किया है।

कोहली की ओपनिंग निश्चित तौर पर भारतीय टीम के लिए बड़ा विकल्प : गावस्कर

नई दिल्ली।

भारत भले ही एशिया कप 2022 नहीं जीत पाया लेकिन धमाकेदार बल्लेबाज विराट कोहली की फॉर्म में वापसी से भारतीय प्रशंसकों को काफी खुशी हुई। पाकिस्तान के खिलाफ अपने 100वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 35 रन बनाते हुए वह बेहद खराब थे। लेकिन जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ा, उनका प्रवाह बढ़ता गया। दो अर्धशतक और एक शून्य के बाद कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ करियर की सर्वश्रेष्ठ 122 रनों की पारी खेली जिसमें 1020 दिनों के प्रारूप में अपने शतक का सूखा समाप्त हुआ। अब, भारत के पूर्व क्रिकेटर रोहन गावस्कर को लगता है कि कोहली अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में पुरुष टी 20 विश्व कप से पहले बल्लेबाजी की शुरुआत करना एक बड़ा विकल्प बन सकते हैं। रोहन ने कहा, देखो, विराट को ओपनिंग करनी चाहिए, मुझे लगता है कि यह एक बढ़िया विकल्प है। आप उनके टी 20 नंबरों को देखें, वे उत्कृष्ट हैं। उनका औसत लगभग 55-57 है और उनका स्ट्राइक रेट लगभग 160 है। वे अभूतपूर्व संख्याएं हैं। उनकी आखिरी पारी, फिर से 122 रनों की नाबाद पारी आपको बताती है कि उन्हें शायद ओपनिंग भी पसंद है। उन्होंने कोहली की एक पुरानी बात को याद करते हुए कहा कि वह आईपीएल में ओपनिंग करना चाहते थे। उन्होंने कहा था कि यही वह स्थान है जहां मैं बनना चाहता हूं। इसलिए, यह स्पष्ट रूप से कुछ ऐसा है जो वह करना चाहते हैं। इसलिए, यह निश्चित रूप से भारतीय टीम के लिए एक बड़ा विकल्प है। कोहली के फिर से अपने दबदबे वाले पुराने स्वर के लक्षण दिखाने के साथ उनके साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करने का मतलब होगा कि केएल राहुल को ग्यारह से बाहर होना होगा। सूर्यकुमार यादव को तीन पर धकेल दिया जाएगा। कुछ ऐसा जो गावस्कर के अनुसार एक संभावना हो सकती है। उन्होंने कहा, यह उन विकल्पों को खोलता है और आप सही कह रहे हैं, स्काई (सूर्यकुमार) नंबर 3 पर बल्लेबाजी करना एक सुखद विचार है। लेकिन मेरा कहना है कि अगर विराट ओपन करते हैं, तो उन्होंने दिखाया कि वह एक सलामी बल्लेबाज के रूप में कितनी बड़ी सफलता है। इसका मतलब है एक मेरे पसंदीदा खिलाड़ियों में से रास्ता बनाना होगा जो केएल राहुल हैं। उन्होंने कहा, चूंकि केएल राहुल मैंने यह पहले भी कहा है, वह एक पूर्ण वर्गीय कार्य है। तो देखिए यह उन मुश्किल परिस्थितियों में से एक है लेकिन तीसरे नंबर पर मुझे लगता है कि स्काई, हम यही चाहते हैं। वह टी20 के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। प्रारूप में भारत का अगला मैच 20 सितंबर को मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मैचों से होगा।

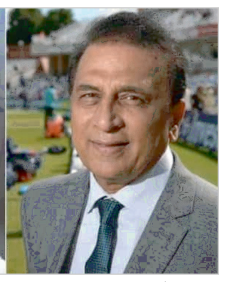

टी20 विश्व कप में 23 अक्टूबर को होगा भारत-पाक मुकाबला

शाहीन से रहना होगा सावधान

लाहौर ।

पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी फिट हो गये हैं और अगले माह अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में खेलने के लिए तैयार हैं। इसमें भारत-पाक का मुकाबला 23 अक्टूबर को होगा। यह मैच मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा। इसमें शाहीन की वापसी से जहां पाकिस्तान की गेंदबाजी मजबूत होगी, वहीं भारतीय बल्लेबाजों की मुश्किलें बढ़ेंगी क्योंकि पिछले साल हुए विश्वकप में भी इस गेंदबाज ने भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था।। शाहीन ने सोशल मीडिया पर वर्कआउट करते हुए अपना वीडियो डाला है। इसमें वह तरोताजा नजर आ रहे हैं। शाहीन को जुलाई महीने गाले में श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में फील्डिंग के समय दाहिने घुटने में चोट लग गयी थी। इस कारण वह एशिया कप 2022 के साथ ही इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। ट्विटर पर शाहीन ने एक वीडियो भी डाला है जिसमें वह वेटलिफ्टिंग करते नजर आ रहे हैं। वह टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली त्रिकोणीय सीरीज से टीम में वापसी करेंगे। शाहीन ने अब तक के अपने करियर के दौरान 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 47 विकेट लिए हैं। गत वर्ष शाहीन की ही गेंदबाजी से पाक टीम ने भारत को हराया था। तब शाहीन ने रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली के विकेट लिए थे। शाहीन ने 119 टी20 मैचों में 165 विकेट लिए हैं। वहीं 19 रन देकर 6 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शाहीन के अलावा भारतीय टीम को युवा गेंदबाज नसीम शाह से भी सतर्क रहना होगा। नसीम ने एशिया कप में अपनी शानदार गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था।

लंबी कूद खिलाड़ी जेस्विन एल्ड्रिन ने 'गोल्डन फ्राई सीरीज मीट' में जीता गोल्ड

नई दिल्ली ।

लंबी कूद में भारत के शीर्ष खिलाड़ी जेसविन एल्ड्रिन ने 8.12 मीटर के प्रभावशाली प्रयास के साथ लिकटेंस्टीन में आयोजित तीसरी 'गोल्डन फाई सीरीज एथलेटिक्स मीट' में स्वर्ण पदक जीता। एल्ड्रिन ने पहली बार भारत के बाहर आठ मीटर की बाधा पार की है। वह पिछले मुकाबलों में आठ मीटर की दूरी छूने में नाकाम रहे थे। एल्ड्रिन ने ट्वीट किया, 'लिकटेंस्टीन में 'गोल्डन फ्लाई सीरीज' में 8.12 मीटर के प्रयास के साथ वास्तव में खुश हूं। यह लंबा सत्र रहा, जिसमें अभी एक और स्पर्धा है। रविवार को इसमें चेक गणराज्य के राडेक जुस्का 7.70 मीटर के साथ दूसरे जबकि नॉर्वे के हेनरिक फ्लैटनेस 7.66 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर थे। लंबी कूद में प्रतिस्पर्धा कर रहे त्रिकूद खिलाड़ी प्रवीण चित्रावल 7.58 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे।

Road Safety Sereis : दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स ने 9 विकेट से जीता एकतरफा मुकाबला, पुटिक ने लगाया अर्धशतक

(एजेंसी)

रोड सेफ्टी विश्व सीरीज 2022 के तहत साऊथ अफ्रीका लीजेंड्स के न्यूजीलैंड लीजेंड्स को एकतरफा मुकाबले में नौ विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड लीजेंड्स ने पहले खेलते हुए मात्र 99 रन बनाए थे जिसे दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स ने मात्र 13.3 ओवर में हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एंड्रयू पुटिक ने 36 गेंदों में चार चौके और तीन छक्कों की मदद से 51 तो अल्विरो पीटरसन ने 23 गेंदों में 29 रन बनाए और अपनी टीम को जीत दिला दी। इससे पहले न्यूजीलैंड लीजेंड्स 8 विकेट के नुकसान पर मात्र 99 रन ही बनाए। न्यूजीलैंड के 8 खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। डीन ब्राउनलाई ने सबसे ज्यादा 48 गेंदों में 48 रन बनाए। न्यूजीलैंड लीजेंड्स को कम रनों तक रोकने के लिए जोहान बोथा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मात्र 11 रन देकर चार विकेट चटका लिए जिससे शुरूआती झटकों से न्यूजीलैंड की टीम उभर ही नहीं पाई। न्यूजीलैंड की टीम की बात की जाए तो उनके पास बल्लेबाज में रोस टेलर, नील ब्रूम, जैकब ओरम, क्रेग मैकमिलन और शेन बॉन्ड जैसे सितारे थेलेकिन बावजूद इसके न्यूजीलैंड 100 रन के आंकड़े को छू नहीं पाई। इसका सबसे बड़ा कारण कप्तान रोस टेलर का फेल होना भी रहा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पहली बार खेल रहे टेलर ने 11 गेंदों में मात्र चार रन बनाए। उनके साथ नील ब्रूम 1 तो जैकब ओरम मात्र 6 रन ही बना पाए। न्यूजीलैंड को सिर्फ डीन ब्राउनलाई का सहारा मिला जिन्होंने 48 रन बनाए। इसी तरह विकेटकीपर बल्लेबाज गेराथ हापकिंस ने 26 गेंदों में एक छक्के की मदद से 18 रन बनाए और टीम को 100 के पास पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी की बात की जाए तो बोथा के अलावा थंडी तशबाला सर्वाधिक सफल गेंदबाज रहे। तशबाला ने 9 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

संक्षिप्त समाचार

कतर में बना खेल संग्रहालय, सचिन का बल्ला, ध्यान चंद की स्टिक खींच रही ध्यान

दोहा : फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी को तैयार कतर ने यहां आने वाले प्रशंसकों को यादगार अनुभव देने के लिए 'ओलिम्पिक और खेल संग्रहालय' में दुनिया भर के खेल सितारों से जुड़ी चीजों को दर्शाया है जिसमें भारतीय खिलाडियों की यादों को प्रमुखता से जगह दी गयी है। दुनिया के 32 ओलंपिक संग्रहालय में से एक कतर ओलिम्पिक और खेल संग्रहालय में अंदर जाते ही सबसे पहले निगाहें ओलिम्पिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू के द्वारा कही गई बातों पर जाती है, जिसमें लिखा है- सबसे बड़ी ताकत एक मजबूत दिमाग है। अगर मुझे पता है कि कोई मुझ से अधिक मेहनत कर रहा है तो इसके लिए मेरे पास कोई बहाना नहीं होना चाहिए। यहां का 'हॉल ऑफ एथलीट्स' में करीब 100 खिलाडियों के दान किए गए यादगारों चीजों को प्रदर्शित किया गया है। भारतीय प्रशंसकों की खुशी संग्रहालय 'द मास्टर ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर के बल्ले को देखकर बढ़ जाती है। उसके ठीक बगल में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की हॉकी स्टिक है। इसके अलावा टेनिस के दिग्गज रोजर फेडरर, फुटबॉल के महान खिलाड़ी पेले, जिनेदिन जिदान और लियोनेल मेस्सी द्वारा हस्ताक्षरित जर्सी को भी प्रमुखता से जगह दी गयी। फॉर्मूला वन के पूर्व चैम्पियन ड्राइवर माइकल शूमाकर द्वारा चलायी गयी फेरारी कार यहां आकर्षण का केन्द्र है। संग्रहालय में भारत की सबसे प्रतिष्ठित मुक्केबाज छह बार की विश्व चैम्पियन मैरी कॉम के दस्ताने को महान मोहम्मद अली द्वारा पहनी गई एक जोड़ी के बगल में प्रदर्शित किया गया हैं। यह संग्रहालय खलीफा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के उस परिसर में है जिसमें फुटबॉल विश्व के मैच खेले जाएंगे। यह स्टेडियम 8 मेजबान स्टेडियमों में से एक है।

कप्तानी पर आजीवन बैन को बदलने पर चर्चा करेंगे वॉर्नर और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया

सिडनी : डेविड वॉर्नर आगामी हफ्तों में खुद की कप्तानी पर लगे आजीवन प्रतिबंध को समाप्त करने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से चर्चा करेंगे क्योंकि बोर्ड पूर्व वनडे कप्तान आरोन फिंच की जगह यह जिम्मेदारी किसी अन्य खिलाड़ी को सौंपना चाहता है। फिंच ने खराब फॉर्म के कारण रविवार को वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जबकि अगले साल भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिये महज 12 महीने का समय बचा है। टेस्ट कप्तान पैट कमिंस इस जिम्मेदारी को संभालने के लिए प्रबल दावेदार हैं, लेकिन यह निर्भर करेगा कि वह अपना कार्यभार संभाल सकेंगे या नहीं। लेकिन वॉर्नर भी इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं क्योंकि कई पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों ने उनके आजीवन प्रतिबंध को समाप्त करने की बात कही है। वॉर्नर ने कहा, 'मैंने निक हॉकले से बात की है, हम मिलने की कोशिश करेंगे।' उन्होंने कहा, 'इस समय यह बहुत मुश्किल है लेकिन मुझे भरोसा है कि अगले दो हफ्तों में हम शायद ऐसा कर पाएंगे। लेकिन किसी भी चीज के लिए जल्दबाजी नहीं है।' दक्षिण अफ्रीका में 2018 में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के बाद पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ से कप्तानी छीन ली गई और उन्हें दो वर्षों तक आस्ट्रेलिया की अगुआई करने से प्रतिबंधित कर दिया गया जबकि वॉर्नर को इससे कहीं कड़ी सजा दी गई और उनकी कप्तानी पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया।

विश्व चैंपियनशिप: मंगोलियाई पहलवान के खिलाफ 0-7 से हारी विनेश फोगाट

बेलग्राद ।

राष्ट्रमंडल खेलों में तीन बार की चैंपियन विनेश फोगाट मंगलवार को यहां विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के क्वालीफिकेशन दौर में मंगोलिया की खुलान बटखुयाग को चुनौती देने में नाकाम रही और 0-7 की शिकस्त के साथ उलटफेर का शिकार हो गई। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के 12 पदक जीतने के शानदार प्रदर्शन के दौरान सोने का तमगा अपने नाम करने वाली 10वीं वरीयता प्राप्त विनेश थकी हुई नजर आई। एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता के खिलाफ महिला फ्रीस्टाइल 53 किग्रा वर्ग में अंतिम सेकेंडों में विनेश संतुलन खो बैठी जिसका फायदा उठाकर विरोधी ने उन्हें चित्त कर दिया। बटखुयाग ने पहले दौर के बाद 3-0 की बढ़त ले ली और विश्व चैंपियनशिप की पूर्व कांस्य पदक विजेता को अंतिम सेकेंड में मैट पर पीठ के बल पटककर चार अंक हासिल किए और दबदबे वाली जीत हासिल की।

गौरतलब है कि चयन ट्रायल में विनेश के खिलाफ शिकस्त झेलने वाली भारतीय जूनियर पहलवान अंतिम ने पिछले महीने की शुरुआत में अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप में मंगोलियाई पहलवान को हराया था। पूर्व रजत पदक विजेता अंशु मलिक की गैरमौजूदगी में विनेश पदक की प्रबल दावेदार थी क्योंकि गत चैंपियन जापान की अकारी फुजिनामी के चोट के कारण हटने के बाद उन्हें अनुकूल ड्रॉ मिला था। हालांकि वह क्वालीफिकेशन में बाहर हो गई। भारत के हाथ और निराशा लगी जब नीलम सिरोही दो बार की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता रोमानिया की एमीलिया एलीना वुक के खिलाफ 50 किग्रा वर्ग में तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-10 से हार गई। घुटने पर काफी अधिक पट्टी बांधकर खेल रही फांसीसी पहलवान कौंबा लारोक ने महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर शेफाली को हराया।

टी20 विश्व कप : भारतीय टीम में ऋषभ पंत के चयन से फैंस नाखुश

(एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस साल ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले 2022 टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है। इस बीच चयनकर्ताओं ने आगामी टूर्नामेंट के लिए दिनेश कार्तिक और ऋषभ पंत को विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में चुना है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पंत का हाल ही में समाप्त हुए 2022 टी20 एशिया कप में बहुत खराब प्रदर्शन था। बाएं हाथ के बल्लेबाज को कुछ मौके दिए गए लेकिन वह बल्ले से प्रभाव डालने में नाकाम रहे और क्रिकेट विशेषज्ञों ने उनकी आलोचना की। टी20 इंटरनेशनल प्रारूप में पंत के बारे में बात करें तो बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कुल 58 मैच खेले हैं और लगभग 24 की औसत से 934 रन बनाए हैं। वह 126.21 के स्ट्राइक रेट से खेलते हैं और उनके नाम पर केवल तीन अर्द्धशतक हैं। पंत का 20 ओवर के प्रारूप में उच्चतम स्कोर 65* है। उन्होंने प्रारूप में तीन बार डक का शिकार (शून्य पर आउट) भी हुए हैं। हाल ही में संपन्न एशिया कप के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद चयनकर्ताओं ने पंत पर अपना विश्वास दिखाया है क्योंकि बाएं हाथ के बल्लेबाज ने संकटपूर्ण परिस्थितियों में अपनी टीम के लिए कई मैच जिताने वाली पारियां खेली हैं और आगामी टूर्नामेंट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की संभावना है। टीम में एक और विकेटकीपर-बल्लेबाज के बारे में बात करते हुए दिनेश कार्तिक को एशिया कप में अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखाने का शायद ही कोई मौका मिला और दाएं हाथ का बल्लेबाज प्लेइंग इलेवन में भी शामिल होना चाहेगा। यह देखा जाना बाकी है कि क्या पंत या कार्तिक को पाकिस्तान के खिलाफ अपने टूर्नामेंट के पहले मैच में टीम इंडिया की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में नामित किया जाएगा।

शमी को टीम में जगह नहीं मिलने से नाराज हुए मदन लाल

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम में शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की है। शमी को विश्व कप के लिए स्टैंडबाय के तौर पर रखा गया है। पिछले साल टी20 विश्व कप में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने के कारण शमी को अब टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलो के लिए जगह नहीं मिल रही। मदन लाल ने कहा कि शमी के अनुभव को देखते हुए उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिये थी। ऑस्ट्रेलिया के हालातों में वह प्रभावी साबित होते। उन्होंने कहा, शमी बड़ा गेंदबाज है और ऑस्ट्रेलिया में वह वास्तव में अहम भूमिका निभा सकता है। मुझे समझ में नहीं आता कि उसे 15 सदस्यीय टीम में जगह क्यों नहीं मिली है जबकि वह शुरुआती ओवरों में ही टीम को विकेट दिला सकता है। शमी ने साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ही भारत की ओर से केवल 17 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। मदन लाल ने कहा, देखिए, अगर आप टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं तो आपको एक अच्छी गेंदबाजी इकाई की आवश्यकता है।

रेणुका सिंह गेंदबाजों की टी20 रैंकिंग में 13वें स्थान पर पहुंची, दीप्ति सातवें स्थान पर बरकरार

दुबई ।

भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में पांच पायदान की छलांग से 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि स्पिनर दीप्ति शर्मा सातवें स्थान पर बरकरार हैं। पिछले हफ्ते चेस्टर ली स्ट्रीट में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की नौ विकेट की हार के दौरान चार ओवर में सिर्फ 23 रन देकर किफायती गेंदबाजी करने वाली रेणुका के 612 रेटिंग अंक हैं। दीप्ति शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज बनी हुई हैं जबकि आलराउंडर की सूची में भी वह चौथे स्थान पर बरकरार हैं। बल्लेबाजों की सूची में वह तीन पायदान ऊपर 33वें और विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष चार पायदान ऊपर 75वें स्थान पर पहुंच गईं। बल्लेबाजी रैंकिंग में स्मृति मंधाना (710 अंक) चौथे स्थान के साथ सर्वोच्च रैंकिंग वाली भारतीय खिलाड़ी हैं जबकि शेफाली वर्मा (686) और जेमिमा रोड्रिग्स (624) क्रमशः छठे और 10 वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड की ऑलराउंडर सारा ग्लेन भारत के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद हमवतन सोफी एक्लेस्टोन के करीब पहुंच गई हैं। सारा करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग की बराबरी करते हुए दूसरे स्थान पर हैं और बाएं हाथ की स्पिनर सोफी से सिर्फ 13 रेटिंग अंक पीछे हैं। इंग्लैंड की बल्लेबाज सोफिया डंकले और एलिस कैप्सी की रैंकिंग में भी पहले मैच के बाद सुधार हुआ है। सोफिया 44 गेंद में नाबाद 61 रनों की पारी से 13 पायदान ऊपर 44वें स्थान पर पहुंच गई जबकि एलिस 20 गेंद में नाबाद 32 रन की पारी खेलकर 12 पायदान के फायदे से 52वें स्थान पर हैं। फ्रेया डेविस को नौ स्थान का फायदा हुआ है और वह गेंदबाजों की सूची में 59वें स्थान पर हैं।

बिश्नोई को आने वाले समय में कई अवसर मिलेंगे : गावस्कर

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को भविष्य में कई अवसर मिलेंगे। इसलिए उन्हें टी20 विश्व कप के लिए शामिल नहीं किये जाने पर निराश नहीं होना चाहिये। विश्वकप में स्पिनर के तौर पर अनुभवी आर अश्विन को जगह मिली है। बिश्नोई ने हाल में हुए एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में माना जा रहा था कि उन्हें विश्वकप के लिए टीम में जगह मिलेगी। वहीं गावस्कर ने कहा कि बिश्नोई के पास भविष्य में कई टी20 विश्व कप में खेलने के अवसर रहेंगे। इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'ठीक है, उसके पास अभी काफी समय है। एक-दो साल में एक और टी 20 विश्व कप है। इतने सारे टी 20 विश्व कप हैं जो वह भविष्य में खेल सकते हैं। उसे अब इस तरह से प्रदर्शन करना चाहिए कि वह ऐसा खिलाड़ी बन जाए, जिससे उसे बहार नहीं किया जा सके। वह एक युवा खिलाड़ी है, यह जानना उसके लिए अच्छा अनुभव है कि वह हर टीम में शामिल नहीं हो सकता।' गौरतलब है कि टी20 विश्व कप के लिए जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल की टीम में वापसी हुई है। ऐसे में गावस्कर को लगता है कि इससे भारतीय टीम बेहतर होगी। उन्होंने कहा, 'यह एक बहुत अच्छी टीम लग रही है। बुमराह और पटेल के आने के साथ ही ऐसा लग रहा है कि भारत जितने रनों का लक्ष्य देगा, उसका बचाव करने में सक्षम होगा।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?

ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तालाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

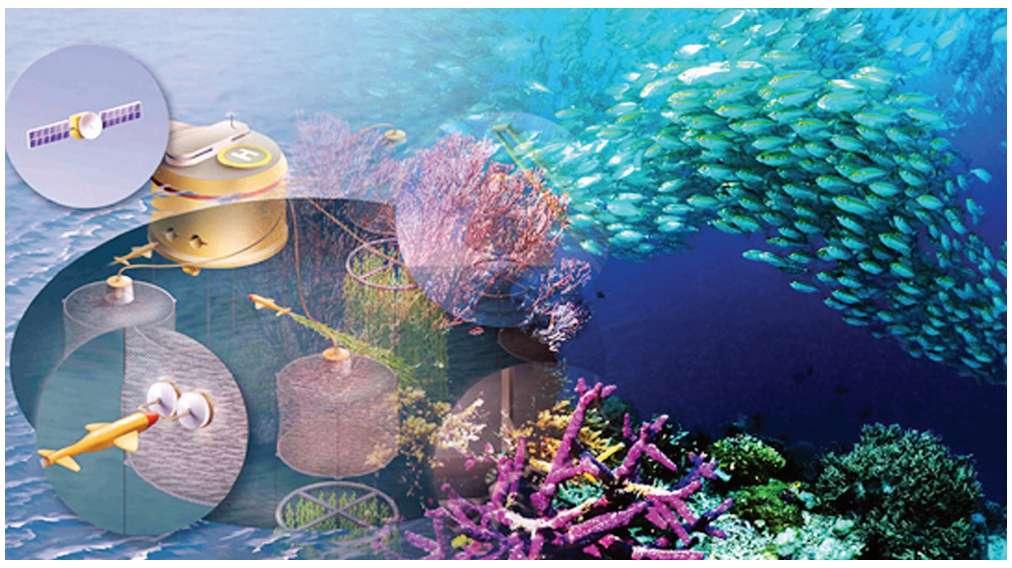

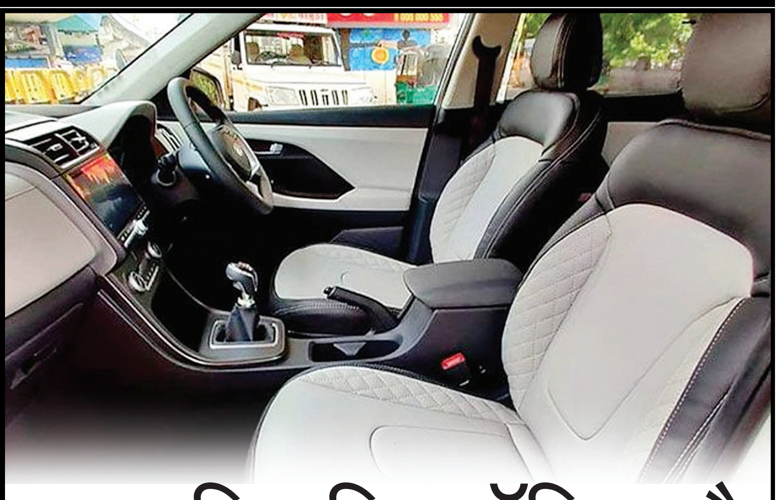

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

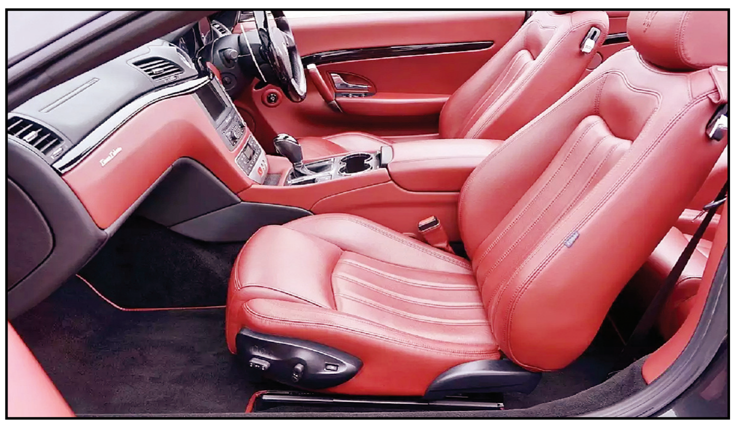

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है :

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है :

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है :

- विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
- उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
- उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- वित्तीय संस्थाए
- बीमा क्षेत्र
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

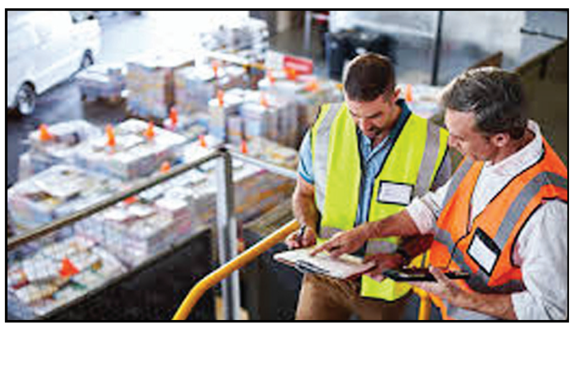

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मशहूर निर्देशक जीन ल्यूक गोडार्ड का निधन

पेरिस । सन 1960 के दशक में अपनी पहली फिल्म 'ब्रेथलेस से क्रांतिकारी बदलाव लाने मशहूर फ्रांसिसी निर्देशक जीन ल्यूक गोडार्ड का 91 साल में निधन हो गया। कई मीडिया संगठनों ने इसकी पुष्टि की है कि उन्हें मंगलवार को गोडार्ड के रिश्तेदारों से उनके निधन की खबर मिली। सन् 1950 के दशक में फिल्म समीक्षक के तौर पर अपने करियर की शुरुआत करने वाले गोडार्ड ने लीक से हटकर सिने जगत में एक युग की शुरूआत की। उन्होंने कैमरा, ध्वनि एवं कथात्मकता के नए नियम गढ़े। उनकी फिल्मों से जीन पॉल बेलमोंडों स्टार बने। उनकी विवादास्पद फिल्म 'हेली मैरी' तब सुर्खियों में आ गयी जब पोप जॉन पॉल द्वितीय ने 1985 में उसकी निंदा की। गोडार्ड ने कई ऐसी फिल्में बनाई जो राजनीतिक रूप से संवेदनशील एवं प्रायोगिक थीं। उन फिल्मों से उनके प्रशंसकों के एक छोटे समूह से बाहर बहुत कम लोग ही खुश होते थे। कांस फिल्मोत्सव के निदेशक थी फीमॉक्स ने कहा कि गोडार्ड के निधन की खबर सुनकर वह 'बहुत, बहुत उदास' हैं। उनकी फिल्में ''माई लाईफ टू लिव'', ''अल्फाविले'', 'क्रेजी पीट'' 'द लिटल सोल्जर'' आदि है। बाद में उनकी वामपंथी राजनीतिक दृष्टिकोण से समझौता नहीं करने वाले शख्स के रूप में पहचान बनी।

भारतीय साझेदारों के साथ कार्बन फाइबर और पवन ऊर्जा जैसे क्षेत्र में संभावना तलाश रहे: तितोव

मॉस्को । रूस के रोसाटॉम ग्रुप ने कहा है कि वह भारत के 'बेहद संभावनाशील बाजार में विभिन्न अवसरों पर गौर कर रहा है, जिसमें नवीकरणीय एवं कार्बन फाइबर क्षेत्र भी शामिल हैं। रोसाटॉम-इंटरनेशनल नेटवर्क के अध्यक्ष वादिम तितोव ने कहा कि उनका ग्रुप नाभिकीय औषधि, विकिरण प्रौद्योगिकी और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में भी संभावनाओं की तलाश कर रहा है। नाभिकीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रोसाटॉम तमिलनाडु के कुडनकुलम में एक नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र का विकास कर रही है। इस संयंत्र में छह परमाणु रिएक्टर हैं, जिसमें प्रत्येक की स्थापित क्षमता 1,000 मेगावॉट की होगी। इनमें से दो रिएक्टर शुरू हो चुके हैं। तितोव ने कहा, रोसाटॉम सिर्फ नाभिकीय ऊर्जा ही नहीं, बल्कि सहयोग के अन्य संभावनाशील क्षेत्रों पर भी गौर कर रही है। हम अपने भारतीय साझेदारों के साथ कार्बन फाइबर और पवन ऊर्जा जैसे अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग की संभावना तलाशकर खुश होंगे। तितोव की अगुवाई वाली रोसाटॉम इंटरनेशनल इस समूह की अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों को समर्थन देता है और नए कारोबारी अवसरों की तलाश करता है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से भारत का बाजार काफी संभावनाशील है। हमारे लिए ऊर्जा क्षेत्र में भारतीय सहयोगियों के साथ काम करने का मौका मिलना बेहद सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी अपने विदेशी साझेदारों को ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी प्रौद्योगिकी भी मुहैया करा सकती है। हालांकि, उन्होंने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी।

भारत ने यूक्रेन को मानवीय सहायता की 12वीं खेप सौंपी

कीव। भारत ने रूस के साथ युद्ध के कारण होने वाली आर्थिक कठिनाइयों को कम करने में यूरोपीय राष्ट्र की मदद करने के अपने प्रयास के तहत सोमवार को यूक्रेन को मानवीय सहायता की 12वीं खेप सौंपी। इसमें आवश्यक दवाएं और उपकरण शामिल हैं। भारत ने एक मार्च को पोलैंड के रास्ते यूक्रेन को मानवीय सहायता की पहली किस्त भेजी थी जिसमें दवाएं और अन्य राहत सामग्री शामिल थीं। खेप को सौंपे जाने की एक तस्वीर साझा करते हुए कीव में भारतीय दूतावास ने एक ट्वीट में कहा कि राजदूत हर्ष कुमार जैन ने यूक्रेन के उप स्वास्थ्य मंत्री ओलेक्सी इरेमेन्को को 'यूक्रेन के लोगों के लिए आवश्यक दवाओं और उपकरणों से युक्त भारत से मानवीय सहायता की 12वीं खेप卐 सौंपी। भारत ने यूक्रेन के खिलाफ आक्रामकता के लिए रूस की आलोचना नहीं की है। नयी दिल्ली ने बार-बार रूसी और यूक्रेनी पक्षों से कूटनीति और बातचीत के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया है और दोनों देशों के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए सभी राजनयिक प्रयासों के लिए अपना समर्थन भी व्यक्त किया है। पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा काम्बोज ने यूक्रेन में तत्काल मानवीय राहत को प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा था कि मानवीय कार्रवाई हमेशा मानवीय सहायता, यानी मानवता, तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होनी चाहिए तथा उपायों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय मिशन ने 17 मई से कीव में अपना कामकाज फिर से शुरू किया। दूतावास को 13 मार्च को अस्थायी रूप से वारसॉ (पोलैंड) में स्थानांतरित कर दिया गया था।

दुबई में नए हिंदू मंदिर की पहली झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित हुए संयुक्त अरब अमीरात के निवासी

इस महीने के शुरू में दुबई में नया हिंदू मंदिर खुलने के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हजारों निवासी यहां दर्शन के लिये उमड़ रहे हैं। 'गल्फ न्यूज' की खबर के मुताबिक, इस मंदिर को औपचारिक रूप से आम लोगों के लिए हालांकि पांच अक्टूबर को दशहरे के दिन खोला जाएगा। मंदिर सभी धर्मों के लोगों का स्वागत करता है और 16 देवताओं व अन्य आंतरिक साज-सज्जा को देखने के लिए उपासकों और अन्य आगंतुकों को प्रवेश की अनुमति देता है। मंदिर प्रबंधन ने अपनी वेबसाइट के माध्यम से क्यूआर-कोड आधारित बुकिंग प्रणाली को सक्रिय करने के साथ एक सितंबर को मंदिर का 'अनौपचारिक' (सॉफ्ट) उद्घाटन किया था। खबर के मुताबिक, मंदिर में पहले दिन से ही और विशेष रूप से सप्ताहांत में बड़ी संख्या में आगंतुक आ रहे हैं। खबर में कहा गया है कि भीड़ प्रबंधन और सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए क्यूआर-कोड के माध्यम से सीमित प्रवेश दिया जा रहा है। मंदिर सुबह साढ़े छह बजे से रात आठ बजे तक खुला रहता है। अक्टूबर के अंत तक सप्ताहांत के लिए अधिकांश बुकिंग पहले ही हो चुकी है। बुकिंग प्रणाली अक्टूबर के अंत तक जारी रहेगी, जिसके बाद आम जनता मंदिर के खुलने के समय में किसी भी वक्त दर्शन करने के लिए स्वतंत्र होगी। वर्तमान में मंदिर में एकमात्र गतिविधि वैदिक शलोकों के जप की हो रही है, जिसके लिये 14 पंडितों का एक समूह विशेष रूप से भारत से आया है। यह जप हर दिन सुबह साढ़े सात बजे से पूर्वाह्न 11 बजे तक और फिर अपराह्न साढ़े तीन बजे से रात साढ़े आठ बजे तक होता है। आगंतुकों को मंत्रोच्चार में भाग लेने की अनुमति है।

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु संस्था का यूक्रेन के परमाणु संयंत्र की सुरक्षा के लिए समझौते पर जोर

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ने सोमवार को कहा कि उन्होंने जापोरिज्जिया संयंत्र में परमाणु सुरक्षा के मद्देनजर यूक्रेन और रूस के साथ वार्ता शुरू की है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने पिछले सप्ताह यूरोप के छह रिएक्टर वाले सबसे बड़े परमाणु संयंत्र में निरीक्षकों की एक टीम का नेतृत्व करने के बाद अपना प्रस्ताव रखा। ग्रॉसी ने आईएईए के वियना मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''हम चाहते हैं कि यूक्रेन और रूस संयंत्र या इसके आसपास हमला न करने या गोलाबारी न करने के एक बहुत ही सरल सिद्धांत पर सहमत हों।'' आईएईए ने हालिया गोलाबारी के लिए किसी पक्ष पर दोष नहीं मढा है। हालांकि गोलीबारी के लिए यूक्रेन और रूस ने एक-दूसरे पर दोष मढ़े हैं। इस संयंत्र पर रूसी सेना का कब्जा है, लेकिन युद्ध की शुरुआत से ही इसका संचालन यूक्रेन के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके प्रस्ताव में विसैन्यीकरण शामिल है, ग्रॉसी ने कहा, ''मूल रूप से, यह एक प्रतिबद्धता है कि संयंत्र में या इसके आसपास उस दायरे तक कोई भी सैन्य कार्रवाई नहीं होगी जिससे कि इसका सामान्य कामकाज प्रभावित हो।'' ग्रॉसी ने दोनों पक्षों के बारे में कहा कि उन्होंने ''ऐसे संकेत देखे हैं कि वे इस समझौते में रुचि रखते हैं।'' उन्होंने कहा कि तकनीकी विवरणों का पता लगाया जा रहा है, जिसमें वह दायरा भी शामिल है जिस पर एक समझौता लागू होगा और आईएईए विशेषज्ञ किस तरह काम करेंगे। ग्रॉसी की बाकी टीम के स्वदेश लौटने के बाद भी आईएईए के दो विशेषज्ञ संयंत्र में ठहरे हुए हैं। जापोरिज्जिया संयंत्र को सप्ताहांत में यूक्रेन के बिजली ग्रिड से फिर से जोड़ दिया गया। इंजीनियरों ने क्षेत्र में लड़ाई के मद्देनजर किसी आपदा से बचने के प्रयास में संयंत्र के अंतिम सक्रिय रिएक्टर को बंद कर दिया था। गोलाबारी के कारण सभी बिजली लाइन काट दिए जाने के बाद संयंत्र को बाहर से बिजली की आपूर्ति ठप हो गई थी।

लंदन में ब्रिटेन के नये राजा चार्ल्स तृतीय संसद को संबोधित करते हुए।

चार्ल्स ने संसद को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी दिवंगत मां ने निस्वार्थ कर्तव्य की मिसाल पेश की

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के महाराज के रूप में चार्ल्स तृतीय ने सोमवार को पहली बार संसद को संबोधित करते हुए महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को श्रद्धांजलि दी और ''संवैधानिक शासन के अनमोल सिद्धांतों'' को बनाए रखने में अपनी ''प्रिय दिवंगत मां'' द्वारा पेश की गई निस्वार्थ कर्तव्य की मिसाल का पालन करने का संकल्प लिया। लंदन में वेस्टमिंस्टर हॉल में हाउस ऑफ कॉमन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स की ओर से जतायी गई संवेदनाओं के जवाब में 73 वर्षीय महाराज चार्ल्स तृतीय ने इतिहास पर प्रकाश डाला और अपनी मां के शासनकाल के कई प्रतीकों का उल्लेख किया।

उन्होंने दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को श्रद्धांजलि देने के लिए विलियम शेक्सपियर की पंक्तियों का उल्लेख किया। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का बृहस्पतिवार को स्कॉटलैंड में 96 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। चार्ल्स ने कहा, ''कम उम्र में दिवंगत महारानी ने अपने देश और अपने लोगों की सेवा करने और संवैधानिक सरकार के अनमोल सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया था।'' उन्होंने कहा, ''महारानी ने इस प्रतिबद्धता को बड़ी निष्ठा के साथ निभाया।

उन्होंने निस्वार्थ कर्तव्य की एक मिसाल कायम की, जिसका ईश्वर और आप सभी के परामर्श से मैं ईमानदारी से पालन करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं।'' सांसदों के साथ अपने स्वयं के संबंधों की बात करते हुए चार्ल्स ने संसद को ''देश के लोकतंत्र का जीवंत तंत्र'' बताया और अपनी दिवंगत मां के साथ उसके संबंधों'' पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''हम आज महारानी की अपने देश और लोगों के लिए समर्पित सेवा की उल्लेखनीय अवधि को याद करने के लिए एकत्रित हुए हैं जिन्होंने बहुत कम उम्र में खुद को देश और लोगों की सेवा में समर्पित कर दिया था।''

राजकीय शोक के इस कार्यक्रम में संसद के लगभग 900 सदस्य शामिल हुए और देश के नये महाराज के प्रति निष्ठा व्यक्त की। हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर सर लिंडसे हॉयल ने शोक संदेश पढ़ा जिसे बाद में ब्रिटेन के नये महाराज को सौंपा गया जिनके साथ क्वीन कंसोर्ट कैमिला भी थीं।। हॉयल ने कहा, ''हम जानते हैं कि आपका दुख हमारे दुख से कहीं अधिक है... हमारी दिवंगत महारानी, आपकी मां की प्रशंसा में कहने के लिए हमारे पास शब्द नहीं हैं।'' इस कार्यक्रम के अंत में 73 वर्षीय महाराज चार्ल्स, क्वीन कंसोर्ट कैमिला के साथ एडिनबरा रवाना हो गए।

वह वहां दिवंगत महारानी के ताबूत के पीछे एक शाही जुलूस का नेतृत्व करेंगे। महारानी के ताबूत को स्कॉटलैंड की राजधानी में पैलेस ऑफ होलीरूडहाउस से सेंट जाइल्स कैथेड्रल ले जाया जाएगा। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के लिए एक विशेष प्रार्थना के बाद, ताबूत को 24 घंटे के लिए गिरजाघर में रखा जाएगा ताकि आम लोग दिवंगत महारानी को श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें। महाराज चार्ल्स तृतीय की फर्स्ट मिनिस्टर ऑफ स्कॉटलैंड निकोला स्टर्जन के साथ एक मुलाकात होगी। महाराज चार्ल्स स्कॉटलैंड की संसद में हिस्सा लेंगे और शोक प्रस्ताव स्वीकार करेंगे। सोमवार शाम को, महाराज चार्ल्स तृतीय सेंट जाइल्स कैथेड्रल में शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ एक प्रार्थना में शामिल होंगे जहां महारानी के ताबूत को रॉयल स्टैंडर्ड ध्वज में लपेटा जाएगा और उस पर 'क्राउन आफ स्कॉटलैंड'रखा जाएगा। चार्ल्स ने सप्ताहांत में ब्रिटेन का महाराज घोषित किए जाने पर कहा था, ''इन जिम्मेदारियों को उठाते हुए मैं संवैधानिक सरकार को बरकरार रखने के उनके प्रेरक उदाहरण का अनुसरण करूंगा तथा इन द्वीपों के लोगों और राष्ट्रमंडल देशों तथा विश्व भर में फैले क्षेत्रों में शांति, सौहार्द्र एवं समृद्धि के लिए काम करूंगा।''

भारतीय संस्थानों के साथ तालमेल को बढ़ावा देने न्यूयॉर्क में नए केंद्र की शुरुआत

न्यूयॉर्क । भारतीय सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों और सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क (सीयूएनवाई) के बीच सुदृढ़ एवं समावेशी सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षणिक तालमेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नए केन्द्र की शुरुआत की गई है। भारत की ओर से अनुसंधान और शिक्षा सहयोग के लिए की गई पहल के अनुसार 'सीयूएनआई क्रेस्ट संस्थान' (आईआईसीसीसीआई) की नौ सितंबर, को आधिकारिक तौर पर ब्रोंक्स कम्युनिटी कॉलेज (बीसीसी) में शुरुआत की गई। यह संस्थान दोनों देशों के बीच शिक्षा और संस्कृति दोनों के क्षेत्र में विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध होगा।

बीसीसी के अध्यक्ष थॉमस इसेकेनेगबे और सीयूएनवाई के अध्यक्ष विन्सेंट बौद्रेउ द्वारा समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने बीसीसी और महाराष्ट्र के तीन राज्य विश्वविद्यालयों के बीच हस्ताक्षरित रुचियों का विवरण (स्टेटमेंट ऑफ इंट्रेस्ट) भी साझा किया। कार्यक्रम के दौरान जारी किए गए बयान में कहा गया कि आईआईसीसीसीआई मिशन का उद्देश्य सीयूएनवाई और भारतीय शैक्षणिक संस्थानों, संघीय संस्थाओं और निजी उद्यम के बीच मजबूत और समावेशी सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक तालमेल को बढ़ावा देना है।

महारानी को श्रद्धांजलि देने के इच्छुक लोगों के लिए नए नियम जारी

लंदन (एजेंसी)।

लंदन में संसद के सदन में रखे गए महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के पार्थिव शरीर के दर्शन करने और उन्हें श्रद्धांजलि देने के इच्छुक लोगों के लिए सरकार ने नियम जारी किए हैं। महारानी का पर्थिव शरीर पूरे राजकीय सम्मान के साथ बुधवार सुबह साढ़े छह बजे (अंतरराष्ट्रीय समयानुसार सुबह साढ़े पांच बजे) से 19 सितंबर को शाम पांच बजे (स्थानीय समयानुसार शाम चार बजे) तक वेस्टमिंस्टर पैलेस में रखा जाएगा। इस दौरान हजारों लोगों के उन्हें श्रद्धांजलि देने की उम्मीद है।

रविवार को जब महारानी के ताबूत को बाल्मोरल कैसल से एडिनबर्ग ले जाया जा रहा था तब उनकी अंतिम यात्रा के साक्षी बनने के लिए हजारों की संख्या में लोग सड़कों और पुलों पर एकत्रित हो गए थे, जिसके बाद नए नियमों को सार्वजनिक किया गया। डिजिटल, सांस्कृतिक, मीडिया एवं खेल मामलों के विभाग ने अपने दिशानिर्देश में कहा, ''अगर महारानी के अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, तो कृपया ध्यान दें कि इसके लिए कतार लगेगी, कतार काफी लंबी होने की उम्मीद है।

संभवतः रात भर आपको कई घंटों तक खड़े रहने पड़ सकता है।'' मंत्रालय ने चेतावनी दी, ''भीड़ अधिक रहने की उम्मीद है और सार्वजनिक परिवहन एवं क्षेत्र के आसपास सड़क बंद होने से देरी होने की संभावना है।'' आगंतुकों को हवाईअड्डे जैसी सुरक्षा जांच से गुजरना होगा और वे अपने साथ सिर्फ एक छोटा बैग ला सकते हैं। विशेष केन्द्र में बड़े बैग रखे जा सकते हैं, लेकिन यह केवल तभी संभव होगा जब वहां जगह उपलब्ध होगी।

जयशंकर ने क्वीन एलिजाबेथ को श्रद्धांजलि देते हुए सच्चा मित्र और शुभचिंतक बताया

-विदेश मंत्री ने महारानीके निधन पर शोक बुक पर हस्ताक्षर कर जताया दुख

लंदन (एजेंसी)।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि उन्होंने समकालीन समय में यूनाइटेड किंगडम का मार्गदर्शन किया। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'महामहिम महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर, उनके परिवार और यूनाइटेड किंगडम के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने अपने देश को समकालीन समय में निर्देशित किया और उनकी गर्मजोशी और करुणा के लिए याद किया जाएगा।' इसके साथ ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नई दिल्ली में भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस के आवास पर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के लिए शोक पुस्तक पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने स्वर्गीय महारानी को भारत की मित्र और शुभचिंतक के रूप में याद किया। एक ट्वीट में विदेश मंत्री ने कहा कि निरंतरता और परिवर्तन का प्रतीक हैं जिसने उनके राष्ट्र को वैश्विक विकास के अनुरूप समकालीन युग में प्रवेश कराया। विदेश मंत्री ने उनके साथ किये हुए मुलाकात के किस्सा साझा करते हुए कहा कि उन्हें भारत के एक सच्चे मित्र और शुभचिंतक के रूप में याद किया जाएगा। शाही परिवार ने एक बयान में कहा कि एलिजाबेथ द्वितीय का 96 वर्ष की आयु में बाल्मोरल महल में निधन हो गया। ब्रिटेन के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली महारानी को उनकी हालत बिगड़ने के बाद चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया था। उनके सबसे बड़ा बेटे प्रिंस चार्ल्स IIIको आधिकारिक तौर पर नया सम्राट घोषित किया गया। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद नई दिल्ली में ब्रिटिश उच्चायोग में यूनियन जैक का झंडा आधा झुका हुआ था।

हसीना का कहना है कि रोहिंग्या शरणार्थियों का लंबे समय तक रहना बांग्लादेश की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा है

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को कहा कि देश में शिविरों में 10 लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों का लंबे समय तक रहना सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। शेख हसीना ने भारत-प्रशांत क्षेत्र के 24 देशों के सैन्य अधिकारियों की तीन दिवसीय बैठक के उद्घाटन समारोह में कहा, ''रोहिंग्या शरणार्थियों के लंबे समय तक रहने से उनके अपने कष्टों के अलावा बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, सुरक्षा और सामाजिक-राजनीतिक स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।''

बांग्लादेश सेना के साथ अमेरिका 'हिंद-प्रशांत सैन्य प्रबंधन संगोष्ठी' का सह-मेजबान है। इसमें हिस्सा लेने वाली देशों की सेनाएं आपदा प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय अपराध, सुरक्षा मुद्दों और महिला सशक्तिकरण पर चर्चा कर रही हैं, वहीं बांग्लादेश मंच का उपयोग म्यांमार में हिंसा के चलते भागे रोहिंग्या शरणार्थियों के मुद्दे को उजागर करने के लिए कर रहा है। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल एस एम शफीउद्दीन अहमद ने कहा कि बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी रोहिंग्या शरणार्थी शिविरों का दौरा करेंगे जिसमें अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जापान, इंडोनेशिया, भारत, चीन और वियतनाम के प्रतिभागी शामिल हैं।

अहमद ने कहा कि सैन्य अधिकारियों को कॉक्स बाजार जिले के शिविरों में ले जाया जा रहा है ताकि उन्हें शरणार्थी संकट की गंभीरता और यह ''स्पष्ट रूप से समझाया''जा सके कि उन्हें म्यांमार वापस भेजना क्यों आवश्यक है। हसीना ने कहा कि शरणार्थियों को वापस भेजना ही इस संकट का एकमात्र समाधान है, लेकिन बांग्लादेश उन्हें म्यांमार वापस जाने के लिए मजबूर नहीं करेगा। चीन द्वारा मध्यस्थता में एक द्विपक्षीय समझौते के तहत शरणार्थियों को वापस भेजने के कम से कम दो प्रयास विफल होने के बाद बांग्लादेशी अधिकारियों ने निराशा व्यक्त की है।

मुस्लिम रोहिंग्या ने कहा है कि बौद्ध बहुल म्यांमार में स्थितियां बहुत खतरनाक हैं, जहां उन्हें व्यापक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। यूएस आर्मी पैसिफिक के कमांडिंग जनरल चार्ल्स ए फ्लिन ने संवाददाताओं से कहा कि वह नीतिगत सवालों का जवाब नहीं दे सकते, जैसे कि सेनाएं कैसे रोहिंग्या को म्यांमार वापस भेजने में मदद कर सकती हैं।

उन्होंने हालांकि प्रतिनिधिमंडल के शरणार्थी शिविरों के दौरे की व्यवस्था करने के लिए बांग्लादेश को धन्यवाद दिया। रोहिंग्या संकट अंतरराष्ट्रीय अदालतों में चला गया है, जहां म्यांमार ने कुछ भी गलत करने से इनकार किया है। पिछले महीने, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि अमेरिका रोहिंग्या और म्यांमार के सभी लोगों के लिए ''न्याय और जवाबदेही को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध'' है।

चंद्रमा पर खनन गतिविधियों से संबंधित समझौते की प्रासंगिकता

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

वैज्ञानिक मिशनों के समर्थन में चंद्रमा पर खनन की अनुमति के लिए 'आर्टेमिस समझौतों' के प्रभाव में आने से अंतरराष्ट्रीय कानून में नया अध्याय जुड़ा है। हाल में हुए अंतरराष्ट्रीय समझौतों के बाद अमीर देश कानूनी तरीके से चंद्रमा पर और अंतरिक्ष में अन्य पिंडों पर अपने वैज्ञानिक मिशनों के समर्थन में खनन कर सकते हैं। अमेरिका ने अपने अपोलो मिशन के करीब 50 वर्ष बाद 2020 में चंद्रमा पर मनुष्य को भेजने की योजना की घोषणा की थी।

पौराणिक मान्यता के अनुसार अपोलो की जुड़वां बहन के नाम वाली आर्टेमिस योजना चंद्रमा पर और चंद्रमा की परिक्रमा करते स्टेशन 'गेटवे' पर मनुष्य की स्थायी मौजूदगी से जुड़ी है। चंद्रमा पर आर्टेमिस मिशन मंगल और उससे परे पहले मानव मिशन के लिए परीक्षण आधार के रूप में काम करेंगे और मनुष्य की अंतरिक्ष उड़ान में एक नये युग की शुरुआत करेंगे। दीर्घकालिक मानवीय मिशनों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए आर्टेमिस में अंतरिक्ष के संसाधनों के उपयोग की परिकल्पना है।

उदाहरण के लिए ऑक्सीजन तथा हाइड्रोजन के लिए चंद्रमा की चट्टानों और मिट्टी में खनन। ऑक्सीजन सांस लेने में कारगर हो सकती है और हाइड्रोजन पेयजल तथा रेडियेशन शील्ड के लिहाज से उपयोगी हो सकती है। ऑक्सीजन और हाइड्रोजन अंतरिक्ष यात्रा के लिए आवश्यक प्रणोदक (प्रपलेंट) के भी मौलिक तत्व हैं। मौजूदा अंतरिक्ष संधियां अंतरिक्ष के संसाधनों के उपयोग का विनियमन नहीं करतीं और ना ही वे इस पर रोक लगाती हैं। अमेरिका की 1967 की बाहरी अंतरिक्ष संधि को सबसे व्यापक रूप से अपनाया गया है।

इसके अनुसार विभिन्न देश अंतरिक्ष में चंद्रमा या अन्य चीजों के हिस्सों पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकते। आर्टेमिस में मिशन के समर्थन में अंतरिक्ष के संसाधनों के उपयोग के लिए कानूनी आधार स्पष्ट किया गया है। कानूनी तौर पर कहें तो समझौते को संधि नहीं कहा जा सकता। उनमें अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत बाध्यता नहीं होती। ये समझौते केवल अमेरिका और उन अन्य देशों पर लागू होते हैं तो आर्टेमिस के विभिन्न मिशन में भाग लेना चाहते हैं। हालांकि आर्टेमिस समझौतों की कानूनी अहमियत जरूर है।

आर्टेमिस समझौतों में कुछ प्रावधानअंतरिक्ष संधि की व्याख्या करते हैं और इस तरह निष्पक्षता की बात आती है। समझौतों के अनुसार जो देश चंद्रमा के संसाधनों का दोहन कर रहे हैं या खनन कर रहे हैं, उनका उन संसाधनों पर कोई संपत्ति संबंधी अधिकार नहीं होता। इस रूप में देखें तो आर्टेमिस समझौतेराष्ट्रीय विनियोग और उपयोग के संदर्भ में बाहरी अतरिक्ष संधि के प्रावधानों के दायरे में आते हैं।

व्यावहारिक रूप से देखें तो अंतरिक्ष संसाधनों का उपयोग कौन और किन परिस्थितियों में कर सकता है, इसे तय करने के लिए कोई नियामक रूपरेखा नहीं होने पर आर्टेमिस समझौते पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर अंतरिक्ष के संसाधनों के उपयोग का समर्थन करते हैं। परिणाम स्वरूप वित्तीय और प्रौद्योगिकीय रूप से संपन्न देशों को इससे लाभ होगा, वहीं अल्प विकसित या अंतरिक्ष के लिहाज से उभरते देशों को इससे लाभ नहीं होगा या कहें तो कम से कम सीधा लाभ नहीं होगा। आर्टेमिस समझौते का एक और प्रावधान बाहरी अंतरिक्ष संधि के पाठ के ब्योरे से संबंधित है।

सार समाचार

आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में एंटीबायोटिक्स, टीके और कैंसर रोधी दवाएं शामिल, होगी सस्ती

नई दिल्ली । आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में इवरमेक्टिन, मुपिरोसिन जैसी कुछ संक्रमण रोधी दवाओं और निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी सहित 34 दवाओं को शामिल करने के साथ अब इसमें कुल दवाओं की संख्या 384 हो गई है। कई एंटीबायोटिक्स, टीके और कैंसर रोधी दवाएं सूची में शामिल होने से अधिक सस्ती होगी। हालांकि, 26 दवाओं जैसे कि रैनिटिडिन, सुक्रालफेट, व्हाइट पेट्रोलेटम, एटेनोलोल और मेथिल्डोपा को संशोधित सूची से हटाया गया है। लागत प्रभावशीलता और बेहतर दवाओं की उपलब्धता के मापदंडों के आधार पर इन दवाओं को सूची से बाहर किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने किया, आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची 2022 जारी की। इसमें 27 श्रेणियों में 384 दवाएं शामिल हैं। कई एंटीबायोटिक्स, टीके, कैंसर रोधी दवाएं तथा कई अन्य महत्वपूर्ण दवाएं और सस्ती होगी एवं मरीजों का खर्च घटेगा। अंतस्रावी दवाएं और गर्भनिरोधक फ्लूड्रोकोर्टिसोन, ओरमेलोक्सिफेन, इंसुलिन ग्लरगाइन और टेनेनिग्लिटीन को सूची में जोड़ा गया है। श्वसन तंत्र की दवा मॉन्टेलुकास्ट, और नेत्र रोग संबंधी दवा लैटानोप्रोस्ट का नाम सूची में है। हृदय और रक्त नलिकाओं की देखभाल में उपयोग की जाने वाली दवा डाबीगट्रान और टेनेक्टेप्लेस के अलावा अन्य दवाओं ने भी सूची में जगह बनाई है। दवाओं पर स्थायी राष्ट्रीय समिति के उपाध्यक्ष डॉ गुप्ता ने कहा, आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में इवरमेक्टिन, मेरोपेनेम, सेफुरोक्साइम, एमिकासिन, बेडाक्विलाइन, डेलामेनिड, इट्राकोनाजोल एबीसी डोलटेग्रेविर जैसी दवाओं को जोड़ा गया है।'' डॉ गुप्ता ने कहा कि आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची की दवाएं अनुसूचित श्रेणी में शामिल हैं और उनकी कीमत राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित की जाती है।

यूपी की तर्ज पर अब उत्तराखंड के मदरसों का भी होगा सर्वे

देहरादून । यूपी के बाद अब उत्तराखंड भी योगी के नक्शेकदम पर चलने को तैयार है यहां भी मदरसों की गतिविधियों का सर्वे किया जाएगा। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस मामले में बड़ा बयान जारी करते हुए कहा कि सभी मदरसों पर कड़ी नजर रखते हुए सर्वे की कार्रवाई की जाएगी। चिंता जताते हुए कहा कि इन्हें लेकर लगातार शिकायतें आ रही हैं। ऐसे में इनकी जांच कराई जानी बहुत जरूरी हो गई है। सीएम धामी ने सचिवालय में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में ये बातें कहीं। कहा कि उत्तराखंड में मदरसों के कामकाज, गतिविधियों को लेकर लगातार शिकायतें आ रही हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। इसके लिए सभी मदरसों की जांच होगी। यूपी की तर्ज पर सभी मदरसों का सर्वे किया जाएगा। ऐसे में उत्तराखंड में भी मदरसों का सर्वे जरूरी हो गया है। इसके लिए जांच प्रक्रिया शुरू की जाएगी। आपको बता दें कि मदरसों पर सीएम के बयान से ठीक एक दिन पहले सोमवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता एवं उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा है कि कलियर इलाके के कुछ होटलों और ढाबों में ड्रग्स, सेक्स रैकेट और मानव तस्करी हो रही है। लोगों के सहयोग से इनका सफाया किया जाएगा। शम्स ने कहा, सरकार और पुलिस के संज्ञान में ये मामले हैं। पुलिस लगातार वहां पर काम कर रही है और कई गिरफ्तारियां कर चुकी है। उन्होंने कहा कि उनके पास ऐसी कई शिकायतें आई हैं। कलियर के रहने वाले भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने भी उन्हें जानकारी दी।

मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस वे पर कार में लगी आग, सीएम शिंदे ने रुककर की पीड़ित की मदद

मुंबई । मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस वे पर मंगलवार को तड़के एक कार में आग लग गई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का काफिला उस समय घटनास्थल से ही गुजर रहा था। सीएम शिंदे ने जब कार को जलते देखा तो वह मदद के लिए वहां रुके। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि विले पार्ले इलाके में राजमार्ग पर हुई इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। दमकल विभाग को दोपहर करीब 12 बजकर 25 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया। मुख्यमंत्री शिंदे का काफिला उस वक्त विपरीत सड़क से गुजर रहा था। वह घटना को देखकर कार यात्री की मदद के लिए रुके। सोशल मीडिया मंच पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें मुख्यमंत्री शिंदे कार चालक से बात करते नजर आ रहे हैं। बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने ड्राइवर का नाम पूछा, इस पर ड्राइवर ने अपना नाम विक्रांत शिंदे बताया। मुख्यमंत्री ने व्यक्ति को कहा कि जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने उसे जल रही कार के पास नहीं जाने को कहा तथा जाने से पहले व्यक्ति को मदद का आश्वासन भी दिया।

कश्मीर में बदल गयी है फिजा, फैशन शो होने लगे हैं और पहला मल्टीप्लेक्स भी आ रहा है

कश्मीर में अब फिजा पूरी तरह बदल चुकी है। पहला मल्टीप्लेक्स भी आ गया है और अब यहां फैशन शोज़ भी होने लगे हैं जिसमें युवा बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। श्रीनगर के सिटी मॉल में एक मेगा कश्मीर फैशन शो का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी दिखी। फैशन शो के आयोजन में भारतीय सेना ने भी सहयोग दिया। कश्मीर विरासत सप्ताह में आयोजित किये गये फैशन शो में कई मॉडलों की भागीदारी रही और जनता से उन्हें जो समर्थन मिला उससे उनके चेहरों की रौनक बढ़ गयी। इस फैशन शो में पारंपरिक कश्मीरी पोशाक के अलावा पश्चिमी पोशाकें भी दर्शाई गईं। कार्यक्रम के आयोजकों का कहना है कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य युवाओं को एक मंच प्रदान करना है ताकि वह रैंप पर अपनी प्रतिभा दिखा सकें और यहां के फैशन डिजाइनरों को कश्मीरी उत्पादों को वैश्विक ब्रांड बनाने का अवसर मिल सके। आयोजकों ने बताया कि फैशन शो में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में मॉडलों और कलाकारों ने पंजीकरण कराया था लेकिन हमने समय की बाध्यता के कारण सिर्फ 30 मॉडलों का ही चयन किया। आयोजकों ने कहा कि यह दर्शाता है कि कश्मीर की जनता और यहां का युवा क्या सोचता है और यह उत्साह आगे के आयोजनों के सफल होने का संदेश भी दे रहा है। दूसरी ओर, फिल्मों में कश्मीर की वादियों को तो खूब दिखाया जाता है लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि कश्मीर में कोई सिनेमाघर नहीं है। दरअसल 90 के दशक में जब यहां आतंकवाद और कट्टरवाद बढ़ा तो उसका सबसे पहला शिकार सिनेमाघर ही हुए थे। हमलों के बाद यहां जो छोटे-छोटे सिनेमाघर थे वह बंद हो गये थे। अनुच्छेद 370 हटाये जाने से पहले जिस तरह का माहौल था उसको देखते हुए किसी की हिम्मत भी नहीं थी कि कोई कश्मीर में सिनेमाघर खोलने की सोच भी ले। लेकिन अब हालात बदले हैं। लोग मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं और विकास प्रक्रिया तेज हुई है तो कश्मीर के लोगों को भी वह सुविधाएं और मनोरंजन के साधन मिल रहे हैं जोकि देश के दूसरे हिस्सों में बहुत पहले से उपलब्ध हैं। इसी कड़ी में कश्मीर में 30 सालों के अंतराल के बाद कोई सिनेमाघर खुलने जा रहा है। आइनोक्स मल्टीप्लेक्स सिनेमा खुलने की खबर से कश्मीर घाटी के लोगों की खुशी देखते ही बन रही है।

विभिन्न कंपनियों की इलेक्ट्रिक बसों को चार्ज करने की एक ही प्रणाली होनी चाहिए : गडकरी

नई दिल्ली । सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उन्होंने अपने विभाग के अधिकारियों से विभिन्न कंपनियों की इलेक्ट्रिक बसों के लिए समान चार्जिंग प्रणाली पर गौर करने को कहा है।

गडकरी ने कहा कि विभिन्न कंपनियों की इलेक्ट्रिक बसों के लिए अलग-अलग चार्जिंग प्रणाली है, इसकारण राज्यों को दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा, ''हिमाचल प्रदेश के परिवहन मंत्री ने मुझे विभिन्न कंपनियों की इलेक्ट्रिक बसों के लिए अलग-अलग चार्जिंग प्रणाली की समस्या के बारे में बताया। मैंने अपने अधिकारियों से इसका समाधान करने के कह दिया है। विभिन्न कंपनियों की इलेक्ट्रिक बसों को चार्ज करने के लिये एक ही प्रणाली होनी चाहिए।'' गडकरी ने लोगों को सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें लोगों को और कार खरीदने के लिए हतोत्साहित करने की जरूरत है... हमें महानगरों में वातानुकूलित ट्रॉली बस सेवा शुरू करने की आवश्यकता है। मंत्री ने उम्मीद जाहिर की कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतें एक या दो साल के भीतर देश में पेट्रोल वाहनों के मूल्य के बराबर होगी। गडकरी ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य 2024 के अंत से पहले लॉजिस्टिक लागत को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 10 प्रतिशत तक कम करना है, जो वर्तमान में 14-16 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि हरित हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है।

केजरीवाल पर अमित शाह का कटाक्ष, सपने बेचने वाले गुजरात में नहीं जीतेंगे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अहमदाबाद। आम आदमी पार्टी लगातार गुजरात में अपनी पकड़ को मजबूत बनाने की कोशिश में जुटी हुई है। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बार-बार गुजरात दौरे पर जा रहे हैं। इन सबके बीच केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए साफ तौर पर कहा कि जो लोग सपने बेचते हैं, वे गुजरात में कभी नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोग इंसान पहचानते हैं। अमित शाह ने इस अवसर पर भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व की सराहना की सराहना भी की। आपको बता दें कि गुजरात में इस साल विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं। गुजरात में लगातार अरविंद केजरीवाल की ओर से मुफ्त बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं का ऐलान किया जा रहा है।

अमित शाह ने दावा किया कि उनकी पार्टी भाजपा एक बार फिर से दो-तिहाई बहुमत के साथ गुजरात में एक बार फिर सरकार बनाएगी। दरअसल, अमित शाह गांधीनगर पहुंचे थे जहां उन्होंने भूपेंद्र पटेल के मुख्यमंत्री पद पर एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि सपने बेचने वालों को गुजरात में कभी चुनावी सफलता नहीं मिलेगी। मैं गुजरात के लोगों को जानता हूं। इसके साथ ही भाजपा नेता ने कहा कि सपने बेचने वालों को गुजरात में कभी सफलता नहीं मिल सकती क्योंकि जनता उन्हीं का समर्थन करती है जो काम करने में विश्वास रखते हैं। इसलिए लोग भाजपा के साथ हैं। भाजपा शानदार जीत हासिल करेगी। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आपके नेतृत्व में भाजपा आगामी चुनावों में एक बार फिर दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

केजरीवाल का पलटवार

वहीं, आज अरविंद केजरीवाल की ओर से अमित शाह के इस बयान पर बलटवार किया गया। केजरीवाल ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि अमित शाह ने बिल्कुल सच बोला। मैं दंग हूं कि वो अपनी पार्टी के खि़लाफ़ बोल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि बैंक में 15 लाख के सपने दिखाने वाली भाजपा पर नहीं, दिल्ली-पंजाब में फ्री बिजली देने वालों पर भरोसा करना। भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आज गुजरात सरकार दिल्ली से चलती है। ये रोज़ मुख्यमंत्री बदल देते हैं। यहां की जनता ने विजय रूपाणी, भूपेंद्र पटेल को तो सीएम नहीं बनाया। ऐसे दिल्ली से सरकार नहीं चलेगी। जो गुजरात के 6 कोरोड़ लोग तय करेंगे, अब वही होगा।

नए संसद भवन का नाम आंबेडकर के नाम पर रखने का प्रस्ताव तेलंगाना विधानसभा में पेश

हैदराबाद (एजेंसी)।

तेलंगाना विधानसभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मंजूरी दी, इसमें केंद्र से नए संसद भवन का नाम डॉक?टर भीमराव आंबेडकर के नाम पर रखने का आग्रह किया है। राज्य में विधानमंडल के दोनों सदनों में तेलंगाना सरकार द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को पारित किया गया है। प्रस्ताव को राज्य के उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री के टी रामाराव ने सदन में पेश किया था। मंत्री रामाराव ने कहा कि नवनिर्मित संसद भवन का नाम आंबेडकर के नाम पर रखना उचित होगा, जो संविधान के निर्माता हैं। प्रस्ताव पेश कर रामाराव ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने डॉ. आंबेडकर की महानता के बारे में बात की थी। बात दें कि दिल्ली में सेंट्रल विस्टा के पुनर्विकास के हिस्से के रूप में एक नया संसद भवन पूरा होने के अंतिम चरण में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2020 में नए भवन का शिलान्यास किया था। पिछले माह उन्होंने भवन की छत पर बने राष्ट्रीय चिन्ह का अनावरण किया था। केंद्र की योजना नए भवन में संसद का शीतकालीन सत्र आयोजित करने की है। वहीं, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और कांग्रेस पार्टी ने केसी आर सरकार के प्रस्ताव का पूरा समर्थन किया है। मालूम हो कि प्रस्ताव पारित करते समय बीजेपी विधायक सदन में मौजूद नहीं थे।विधानसभा के स्पीकर पी. श्रीनिवास रेड्डी ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित करने की घोषणा की।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा महज एक सप्ताह में 7 बार विवादों में घिरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस पार्टी को मजबूत आधार देने और जनता से जुड़ने के लिए कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो' यात्रा का सिलसिला जारी है। 150 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा का मंगलवार को सातवां दिन है। अगर एक सप्ताह के ही इस सफर को देखें, पार्टी महज अब तक करीब 7 बार विवादों में आ चुकी है। पार्टी पर भारतीय जनता पार्टी के हमले जारी हैं। इधर, कांग्रेस भी लगातार पलटवार कर रही है। यात्रा के दौरान राहुल गांधी कंटेनर में रहेंगे। ट्रकों पर सजे इन 60 कंटेनर में यात्रा के स्थायी यात्री यानी कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक का सफर तय करने वाले नेता रहेंगे। खबरें थी कि इनमें से एक कंटेनर में राहुल रहेंगे। जबकि, बचे हुए कंटेनर अन्य नेता शेयर करेंगे। आरोप लगाए गए थे कि कांग्रेस ने इन कंटेनर में नई सुविधाएं शामिल की हैं। हालांकि, कांग्रेस इनमें बुनियादी सुविधाएं होने के बात कह रही है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दो बिस्तरों वाले कंटेनर में रहेंगे। जबकि, अन्य कार्यकर्ताओं को 6 या 12 बिस्तरों वाले कंटेनर में रहना होगा। इन सभी में टॉयलेट शामिल है, लेकिन कुछ में ही एसी लगा हुआ है। यात्रा शुरू होने के तीसरे ही दिन भाजपा और कांग्रेस में राहुल गांधी की टीशर्ट को लेकर बहस शुरू हो गई थी। भाजपा ने दावा किया था कि महंगाई का मुद्दा उठा रहे वायनाड सांसद शुक्रवार को 41 हजार 257 रुपये की टी-शर्ट पहने हुए हैं। भाजपा ने ट्विटर पर इससे जुड़े फोटो भी शेयर किए थे। कांग्रेस का कहना था कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल भारत जोड़ो यात्रा को मिल रहे समर्थन से डरा हुआ है।

भारत जोड़ो यात्रा के शुरुआती पड़ाव यानी तमिलनाडु में राहुल ने पादरी जॉर्ज पोन्नया से मुलाकात की थी। खास बात है कि पोन्नया विवादित बयानों के लिए जाने जाते हैं। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का कहा, 'उन्हें पहले भी कट्टर टिप्पणी के लिए गिरफ्तार किया जा चुका है। जब उन्होंने कहा था 'मैं जूते इसलिए पहनता हूं, ताकि भारत माता की अशुद्धियां हमें दूषित न कर दें'।' पादरी को जुलाई कल्लीकुड़ी में गिरफ्तार किया गया था। कांग्रेस ने ट्वीट के जरिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर निशाना साधा था। पार्टी ने एक फोटो पोस्ट की थी, जिसमें संघ की यूनिफॉर्म का हिस्सा रहे निक्कर को जलता हुआ दिखाया गया था। इसपर भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने सवाल उठा दिए थे। उन्होंने कहा था, 'उनकी पहले जलाई हुई आग ने अधिकांश भारत को जला दिया था। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बचे हुए सदस्य भी जल्दी जलकर खाक हो जाएंगे।'

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, केरल के दो क्रांतिकारियों गांधीवादी केई मेमन और पद्मश्री पी गोपीनाथन नायर के स्मारक का अनावरण होना था। यह कार्यक्रम तिरुवनंतपुरम स्थित एनआईएमएस अस्पताल में किया जाना था। खबर है कि परिवार की तरफ से केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख सुधाकरण की मौजूदगी में राहुल को निमंत्रण भी दिया गया था। इस कार्यक्रम से राहुल गायब रहे। रिएक्शन यह हुआ कि सुधाकरण को क्रांतिकारियों के परिजनों से माफी मांगनी पड़ी। कांग्रेस की यात्रा का मौजूदा चरण केरल है। खबर है कि यहां पार्टी करीब 19 दिनों तक पदयात्रा करेगी और 450 किमी की सफर तय करेगी। अब कांग्रेस की इस यात्रा पर केरल में सत्तारूढ़ सीपीएम के नेता सवाल उठा रहे हैं। वाम दल का कहना है कि कांग्रेस को भाजपा शासित राज्यों में ज्यादा ध्यान देना चाहिए। सीपीआई (एम) ने ट्वीट किया कि केरल में 19 और उत्तर प्रदेश में 2, यह भाजपा और आरएसएस से लड़ने का अजीब तरीका है।

1 दिंसबर 2022 से जी20 की अध्यक्षता करेगा भारत, देशभर में जी20 की 200 से अधिक बैठकें होंगी

नई दिल्ली । भारत इस साल के अंत में जी20 सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा। दिसंबर 2022 से 30 नवंबर, 2023 तक देशभर में भारत की अध्यक्षता में जी20 की 200 से अधिक बैठकें होंगी। विदेश मंत्रालय ने भारत की अध्यक्षता में होने वाले जी20 सम्मेलन से जुड़ी घोषणाएं की है। भारत को 1 दिसंबर 2022 से जी20 की अध्यक्षता मिलेगी। विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों के स्तर पर जी 20 देशों के नेताओं का शिखर सम्मेलन 9 और 10 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है। मालूम हो कि जी 20 दुनिया के विकसित और विकासशील देशों का संगठन है। इसके सदस्य अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके, अमेरिका और यूरोपियन यूनियन हैं। यानी 19 देश और यूरोपियन यूनियन सहित कुल मिलाकर जी 20 के 20 सदस्य हैं। जी 20 दुनिया की 85 फीसदी जीडीपी और 75 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और दो तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। भारत वर्तमान में जी 20 ट्रोइका का सदस्य है। इसमें भारत के अलावा इंडोनेशिया और इटली है। इंडोनेशिया मौजूदा में जी 20 का सदस्य है, जबकि इटली पिछले साल अध्यक्ष था और भारत आने वाला अध्यक्ष है। इसकी अध्यक्षता के दौरान, भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील ट्रोइका का निर्माण करने वाले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर शुरू होगी उन्हें मिले उपहारों की नीलामी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट किए गए उपहार और स्मृति चिन्हों की ई-नीलामी उनके जन्मदिन यानी 17 सितंबर को शुरू होगी। पिछले कुछ सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश विदेश की प्रसिद्ध हस्तियों और उनके चाहने वालों ने जो भी उपहार और स्मृति चिन्ह भेंट किए हैं, उनकी नीलामी की जाएगी। इन वस्तुओं में पेंटिंग, मूर्तियां हस्तशिल्प और कलाकृतियां समेत कई तरह के उपहार मौजूद हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले ये उपहार और स्मृति चिन्ह नई दिल्ली स्थित नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट में रखे जाएंगे। प्रधानमंत्री को दिए गए 1200 उपहारों और स्मृति चिन्हों की ई-नीलामी की जाएगी। स्मृति चिन्ह और उपहारों में एक से एक बढ़कर उपहार और कलाकृतियां मौजूद हैं, जिनमें अयोध्या के श्रीराम मंदिर और वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर का मॉडल भी शामिल है। इन उपहारों में खेल जगत से लेकर अलग-अलग राज्यों और अलग-अलग हस्तियों द्वारा दिए गए काफी अनमोल तोहफे भी शामिल हैं। इनमें कई जानी-मानी खेल हस्तियों द्वारा ऑटोग्राफ की हुई जर्सी, उनके खेलने का सामान आदि चीजें शामिल हैं।

यह ई-नीलामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होगी। यदि आप इस नीलामी में हिस्सा लेना चाहते हैं, तो आपको साइट पर लॉगिन करना होगा। पहली बार इस तरीके की नीलामी जनवरी 2019 में पीएमओ द्वारा शुरू की गई थी। यह इस श्रृंखला की चौथी नीलामी होगी। पहले की तरह नीलामी से प्राप्त राशि को नमामि गंगे मिशन में लगाया जाएगा। इस नीलामी में 100 से लेकर 5 लाख रुपए तक की बोली लगाकर लोग अपने मनचाहे उपहार खरीद सकते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युवाओं से नशे की लत के खिलाफ लड़ने की अपील की

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों, खासकर युवाओं से एकजुट होने और नशे की लत के खिलाफ लड़ने की अपील की। उन्होंने इसे देश की प्रगति की राह में एक बड़ी बाधा करार दिया। सिंह यहां सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित 'एनसीसी कैडेट के साथ संवाद और मादक पदार्थों की लत के खिलाफ शपथ' समारोह में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट और युवाओं

को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा, ''भारत विश्व की एक महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। लेकिन, कुछ बाधाएं हैं, जो हमें अपनी वास्तविक क्षमता को प्राप्त करने से रोक रही हैं। मादक पदार्थों की लत एक ऐसी ही बाधा है। तमाम खूबियों के बावजूद हमारा देश अभी तक विकसित देशों की कतार में खड़ा नहीं हो पाया है, क्योंकि यहां बहुत से लोग हैं, खासकर युवा, जो नशे की चपेट में हैं।'' उन्होंने कहा कि नशे की लत न केवल समाज में कानून-व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी गतिविधियों को भी बढ़ावा देती है।

भारत यूएनएससी का स्थाई सदस्य बनने का प्रबल दावेदार : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का स्थायी सदस्य बनने का मजबूत दावेदार है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद को अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा कायम रखने के अपने उद्देश्यों को पूरा करने और प्रासंगिक बने रहने के लिए बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुकूल होना चाहिए। जयशंकर विदेश मंत्री के तौर पर सऊदी अरब की अपनी पहली यात्रा पर हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत काफी समय से सुरक्षा परिषद में सुधार के प्रयासों में सबसे आगे रहा है और परिषद का स्थाई सदस्य बनने का हकदार है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद वर्तमान स्वरूप में 21वीं सदी की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व नहीं करती। जयशंकर ने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता पर व्यापक वैश्विक सहमति है, खासकर इसलिए क्योंकि यह निकाय दुनिया की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करता। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद का विस्तार न केवल भारत बल्कि अन्य गैर-प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों के भी पक्ष में है।

उन्होंने कहा भारत सबसे बड़े लोकतंत्र, पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, परमाणु शक्ति संपन्न, प्रौद्योगिकी केंद्र और वैश्विक संपर्क की परंपरा वाले देश के रूप में सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का मजबूत दावेदार है। परिषद को न केवल अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने के अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, बल्कि प्रासंगिक बने रहने के लिए भी बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुकूल होना चाहिए। जयशंकर दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे। विदेश मंत्री के रूप में यह सऊदी अरब की उनकी पहली यात्रा है। उन्होंने रविवार को सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से एक लिखित संदेश उन्हें सौंपा। साथ ही उन्होंने युवराज को द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति से अवगत कराया।

'बिहार में अब बजट को लेकर घामासान', वित्त मंत्री ने केंद्र पर लगाया पैसे नहीं देने का आरोप, भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार में अब धन को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। एनडीए से अलग होने के बाद नीतीश सरकार ने बजट को लेकर केंद्र पर आरोप लगाना शुरू कर दिया है। नीतीश सरकार में वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने साफ तौर पर कहा है कि केंद्र की ओर से पैसे नहीं दिए जा रहे हैं और खर्च पर लगाम लगाने को कहा जा रहा है। अपने बयान में विजय कुमार चौधरी ने दावा किया कि बिहार अपना उचित बकाया पाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार योजनाओं को लेकर राजनीति कर रही है। इसके साथ ही जदयू नेता ने आरोप लगाया कि बिहार के सामाजिक शिक्षा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं के लिए केंद्र ने अपने हिस्से का धन देना बंद कर दिया है।

भाजपा का पलटवार

भाजपा नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार के वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी पिछले 2 दिनों से तथ्यों की पूरी जांच पड़ताल किए बिना केंद्र के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित हरियाणा के 23 लाख, उत्तर प्रदेश के 40 लाख, गुजरात के 14 लाख, असम के 17 लाख अतिरिक्त लाभार्थियों को पेंशन राज्य सरकार अपने बजट से प्रदान करती है न कि केंद्र सरकार देती है। इसके साथ ही भाजपा नेता ने कहा कि अधिकांश राज्य सरकारें 500 से 1 हजार रुपया प्रति लाभार्थी राज्यांश के रूप में व्यय करती है जबकि बिहार केवल 200-300 रुपया वहन करता है। उन्होंने कहा कि फंड रिलीज राज्य के शुरुआती बैलेंस, खर्च की गति, ऑडिट रिपोर्ट जमा करने और अन्य मानदंडों के साथ उपयोगिता प्रमाण पत्र पर भी निर्भर करता है।

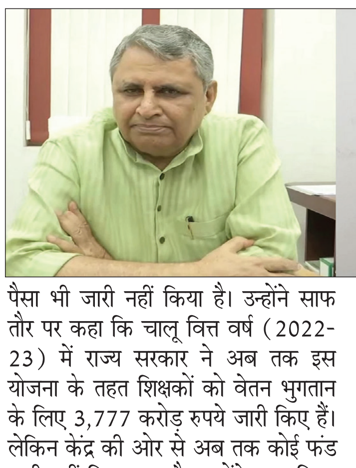

माना जा रहा है कि बिहार में इसको लेकर आने वाले दिनों में राजनीति और देखने को मिलेगी। वित्त मंत्री लगातार फंड को लेकर केंद्र पर आरोप लगा रहे हैं। विजय कुमार चौधरी का यह भी दावा है कि केंद्र ने चालू वित्त वर्ष में समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत अपने हिस्से का एक पैसा भी जारी नहीं किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि चालू वित्त वर्ष (2022-23) में राज्य सरकार ने अब तक इस योजना के तहत शिक्षकों को वेतन भुगतान के लिए 3,777 करोड़ रुपये जारी किए हैं। लेकिन केंद्र की ओर से अब तक कोई फंड जारी नहीं किया गया है। उन्होंने दावा किया कि 2015-16 से पहले केंद्र से सहायता प्राप्त विभिन्न योजनाओं में केंद्र की हिस्सेदारी 90 से 60 प्रतिशत के बीच थी। हाल ही में बिहार ने विभिन्न योजनाओं पर अपना खर्च बढ़ाया है क्योंकि केंद्र ने अपने हिस्से में काफी कमी की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में एक स्कूल वैन और एक कार की जोरदार टक्कर में 9 छात्र घायल हो गए और वैन पलट गई।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर के अलथन इलाके में आज तड़के एक स्कूल वैन की टक्कर में वैन में सवार नौ छात्र घायल हो गये. इस हादसे में स्कूल पलट गया.पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. वैन में बैठी एक लड़की के सिर में गंभीर चोटें आईं। उसे एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। अन्य बच्चों को भी मामूली चोटें आई हैं।
सुबह 6:10 बजे सूरत शहर के अलथन इलाके में शारदायतन स्कूल की वैन गुजर रही थी तभी अचानक एक कार चालक ने टक्कर मार दी और स्कूल वैन पलट गई. शारदायतन स्कूल वैन में करीब 9 छात्र सवार थे। स्कूल वैन पलट गई और अंदर बैठे छात्र घायल हो गए। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें साफ नजर आ रहा है कि तेज रफ्तार से आ रहे किया कार के चालक ने स्कूल वैन को टक्कर मार दी. स्कूल वैन पलटी तो मॉर्निंग वॉक पर आए लोग मौके पर पहुंचे और करीब 15 से 20 लोगों ने वैन को सीधा कर बच्चों को छुड़ाया और अस्पताल भिजवाया. स्कूल वैन सीएनजी थी।

दो टक्कर हुई लेकिन कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। घटना को देखने वाले लोगों ने बताया कि किआ चालक तेज गति से आ रहा था और उसने स्कूल वैन को टक्कर मार दी जो मोड़ ले रही थी। स्पीड बेकर नहीं होने से आए दिन हादसे होते रहते हैं, अब तक 5 हादसे हो चुके हैं। कुछ समय पहले हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है।

सूरत के देवाध गांव के पास 27 वर्षीय लड़की के साथ उसके प्रेमी ने सामूहिक दुष्कर्म किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के देवध गांव के पास रविवार रात प्रेमी के साथ बैठी युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है. पांच युवकों ने उसके प्रेमी को बंधक बनाकर पास के केले के खेत में सामूहिक दुष्कर्म किया, फिर जबरन युवती व उसके प्रेमी का मोबाइल फोन छीन लिया. घटना को लेकर लड़की ने लिंबायत पुलिस को घटना की झूठी जानकारी दी ताकि प्रेमी के नाम का खुलासा न हो, हालांकि सीसीटीवी फुटेज में तथ्य सामने आने के बाद पुणे पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया.
पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मूल रूप से मध्य प्रदेश की रहने वाली 27 वर्षीय रानू (बदला हुआ नाम) जो पांच महीने पहले सूरत आई थी और अपनी बहन बनवी के साथ गोददरा इलाके में रहती है, एक जरीन फैक्ट्री में काम करती है. वराछा मातावाड़ी में रहने वाले गोपाल के साथ रानू तीन महीने से रिलेशनशिप में है।पिछले रविवार की शाम रानू गोपाल के साथ बाइक की सवारी के लिए गई और दोनों ने आठ बजे से देवाध गांव के रघुवीर बाजार के सामने सड़क पर बैठकर बात की। पांच 35 साल के अजनबी वहां आए और दोनों को धमकी दी कि हमारे साथ चलो वरना हम उन्हें मार देंगे. उन्होंने गोपाल के हाथों को रस्सी से बांधकर केले के खेत के अंदर ले गए और पांचों ने बारी-बारी से रानू के साथ रेप किया. पांचों ने रानू और गोपाल से मोबाइल फोन लिया,
उसके बाद गोपाल खेत छोड़कर रानू को घर पर छोड़ गया।रानू ने घटना की सूचना अपनी बहन को नहीं दी। लेकिन कल सुबह वह लिंबायत थाने पहुंची और झूठी सूचना दी कि उसे सिद्धि विनायक मंदिर के पास पांच अज्ञात कारों में डाल दिया गया और ले जाया गया एक अज्ञात जगह। लिंबायत पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की कि क्या कोई घटना हुई है। जब पुलिस ने रानू से उन्हें जगह दिखाने के लिए कहा, तो रानू ने आखिरकार सच बताया। इसलिए, पुणे पुलिस ने गिरोह के पांच अजनबियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। बलात्कार किया और मोबाइल फोन पर धमकाया और आगे की जांच शुरूकर दी।

फास्ट फूड बनाने से इनकार करने वाले एक युवक ने एक चीनी लॉरी के मालिक को धमकाया और लॉरी में तोड़फोड़

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में दबंग तत्व बदमाश हो गए हैं। भेस्तान आवास में रहने वाले एक हठी युवक ने चीनी लॉरी के मालिक को धमकी दी और चीनी लॉरी चलाने वाले युवक के बेटे द्वारा नाश्ता तैयार नहीं करने पर तुरंत उसकी पिटाई करने पर लॉरी में तोड़फोड़ की. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पठान कमेला दरवाजा अन्नपूर्णा में डिंडोली-भेस्तान आवास भवन नंबर ए/148 कमरा नंबर एक सूरत निवासी 35 वर्षीय शरीफ खान सलीम खान के पास क्लासिक फैशन में साड़ी काटने का ठेका है. भेस्तान आवास शहरी स्वास्थ्य केंद्र के सामने कपड़ा बाजार और शीर्ष चीनी दातार। का करम एक चीनी लॉरी चलाता है। पिछली 14 जुलाई की शाम को, जब उसका बेटा फैम लॉरी शुरू करने के लिए चीजों की व्यवस्था कर रहा था, हेडस्ट्रॉन्ग अरबाज उर्फ बिली बशीर खान पठान (यू.एस. 25)) भेस्तान आवास में बिल्डिंग नंबर सी / 74 कमरा नंबर ३ में रहने वाले) वहां आए और फैम को तुरंत नाश्ता करने के लिए कहा।

हालांकि, अरबाज उर्फ बिली ने उसके साथ थूक दिया, जबकि फैम ने चीजों की व्यवस्था करने से इनकार कर दिया।
फैम कॉल करता है और सूचित करता है कि शरीफ खान लॉरी तक पहुंचता है और अरबाज उर्फ बिली को समझाता है। हालांकि, अरबाज उर्फ बिली उसे धमकी देता है कि तुझे इधर लारी चलाएगा तो मुझे होगा वापस देगा या तुम्हारी लारी या हाट। पीर डोनो टॉड दूंगा। . फिर 18 तारीख की रात को फैम ने लॉरी को रोका, जिसके बाद अरबाज उर्फ बिली वहां गया और लॉरी की लोहे की प्लेट, दरवाजे और कुर्सियों में तोड़फोड़ की. घटना में दो महीने पहले शरीफ खान ने अरबाज उर्फ बिली के खिलाफ डिंडोली में शिकायत दर्ज कराई थी. थाना पुलिस कल आगे की जांच कर रही है..

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सूरत में राष्ट्रीय हिंदी दिवस समारोह में शामिल होंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अब तक सिर्फ देश की राजधानी दिल्ली में मनाया जाने वाला हिंदी दिवस अब अपने पंख फैलाकर गुजरात में आ रहा है. इस बार पहली बार यह उत्सव सूरत में आयोजित किया जा रहा है। दो दिवसीय समारोह के दौरान देश भर के प्रख्यात हिंदी पंडितों सहित विभिन्न प्रांतों के पांच हजार से अधिक प्रतिनिधि इस समारोह के साक्षी बनेंगे।
राजभाषा विभाग, दिल्ली द्वारा 14 और 15 सितंबर को सूरत के इंडोर स्टेडियम में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया है। यह घोषणा कलेक्टर आयुष ओके ने सूरत में हुई बैठक में की। राजभाषा विभाग, दिल्ली के एक अधिकारी का कहना है, 'हिंदी दिवस पहली बार भव्य रूप से मनाया जाएगा। और इसके लिए फैसला सूरत पर पड़ा है। दो दिवसीय कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मौजूद रहेंगे. दो दिनों के दौरान देश भर से पांच हजार से अधिक प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। हिंदी भाषा के विद्वान विषय के अनुसार भाषण देंगे। इस अवसर पर डिजिटल हिंदी डिक्शनरी का भी विमोचन किया जाएगा। पहली बार सूरत प्रशासनिक व्यवस्था ने हिंदी दिवस के आयोजन की तैयारी शुरूकर दी है।

रांदेर के पालनपुर जकातनाका इलाके में भूस्खलन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में हो रही बारिश के चलते आज सोना के पालनपुर जकातनाका इलाके में मुख्य सड़क पर अचानक भूस्खलन हो गया. नगर पालिका ने भुवा के चारों ओर बैरिकेडिंग कर सड़क को बंद कर दिया है.

सूरत में श्राद्ध पक्ष में भी बारिश की तीव्रता देखने को मिल रही है. पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण मरम्मत की गई सड़कें फिर से बह गई हैं। इसी बीच रांदेर अंचल के पालनपुर जकातनाका से लेकर एलपी सवानी मार्ग तक मुख्य सड़क पर आज सुबह बड़ा भूस्खलन हो गया. गड्ढा इतना बड़ा था कि वहां से गुजरने वाले वाहन उसमें गिर सकते थे। इसकी सूचना मिलते ही नगर निगम प्रशासन ने सड़क के एक किनारे को बंद कर भुवा के चारों ओर बैरिकेडिंग कर दी है.

अमित शाह ने वर्चुअल तरीके से किया 519 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने यह साफ कर दिया कि गुजरात का 20 वर्षों का विकास और गुजरातियों का सरकार पर 20 वर्षों से अविरत विश्वास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का परिणाम है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में रखी गई विकास की मजबूत नींव के परिणामस्वरूप गुजरात विकास का रोल मॉडल बना है। यह बात उन्होंने मंगलवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजित 'विश्वास से विकास यात्रा' के राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली से वर्चुअल तरीके से कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 1179 करोड़ रुपए की लागत वाले कुल 519 जनहितकारी विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।